दैनिक

साधना एक्सप्रेस

वर्ष-4 | अंक -95 | sadhnaexpress@gmail.com | भोपाल, शुक्रवार, 3 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य - 2 रुपये | www.sadhnaexpress.com

न्यूज ब्रीफ

सरकारी जमीन पर बनी मस्जिद पर चला बुलडोजर, हाईकोर्ट के आदेश पर प्रशासन का बड़ा एक्शन

लखनऊ, एजेंसी | लखनऊ के बख्शी का तालाब (बीकेटी) क्षेत्र में गुरुवार सुबह प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक मस्जिद को बुलडोजर से ढहा दिया। यह कार्रवाई सुबह करीब 4 बजे शुरू हुई। जब एडीएम और एसडीएम प्रशासन की टीम भारी पुलिस बल और पीएसी की दो टुकड़ियों के साथ मौके पर पहुंची। करीब एक घंटे तक चले ऑपरेशन में तीन बुलडोजरों की मदद से पूरी संरचना को जमींदोज करते हुए मलबा भी हटा दिया गया। यह मस्जिद बीकेटी के अस्ती गांव में स्थित थी जिसे स्थानीय लोग लगभग 60 साल पुराना बताते हैं।

प्रशासन का दावा है कि यह निर्माण सरकारी खलिहान की जमीन पर अवैध कब्जा कर बनाया गया था। कार्रवाई के दौरान पूरे इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। जानकारी के मुताबिक, मामले की शुरुआत साल 2024 में हुई थी, जब प्रशासन ने सबसे पहले तहसीलदार कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। 2025 में तहसीलदार कोर्ट ने मस्जिद को हटाने का आदेश देते हुए 36 हजार रुपये का जुर्माना लगाया था। इस आदेश के खिलाफ मस्जिद पक्ष ने एडीएम कोर्ट में अपील की, लेकिन वहा भी राहत नहीं मिली। इसके बाद मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ पहुंचा।

बीते 26 मार्च को हाईकोर्ट ने तहसीलदार के आदेश को सही ठहराते हुए मस्जिद हटाने के निर्देश दिए थे। हालांकि कोर्ट ने 36 हजार रुपये के जुर्माने को निरस्त कर दिया। न्यायमूर्ति आलोक माथुर की एकल पीठ ने अपने फैसले में कहा कि संबंधित जमीन खलिहान के रूप में दर्ज है और उस पर धार्मिक निर्माण करना नियमों के खिलाफ है। कोर्ट ने यह भी माना कि निर्माण में याचिकाकर्ताओं की सीधी भूमिका साबित नहीं हुई, लेकिन अवैध कब्जा हटाना जरूरी है।

167 करोड़ में बिकी मां यशोदा और लाडले कन्हैया की ये पेंटिंग, मशहूर बिजनेसमैन ने खरीदा

नई दिल्ली, एजेंसी | मां यशोदा और उनके लाडले की बनाई एक सुंदर पेंटिंग सेफ्रॉन आर्ट की नीलामी में 167 करोड़ रुपये में बिकी है. राजा रवि वर्मा की इस पेंटिंग ने नया इतिहास रच दिया है. सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और एमडी साइरस एस पूनावाला ने ये पेंटिंग खरीदी. इस पेंटिंग की कीमत ने मशहूर चित्रकार एमएफ हुसैन की तस्वीर का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जो पिछले साल 118 करोड़ रुपये में नीलाम हुई थी. राजा रवि वर्मा की इस मशहूर पेंटिंग में यशोदा और कन्हैया एक शांत अवस्था में खड़े दिखाई दे रहे हैं. कान्हा अपनी मां से लिपटे हुए खड़े हुए हैं और मां यशोदा गाय का दूध निकाल रही है. कन्हैया का ये बाल स्वरूप लोगों को खूब भाया.

1890 के दशक में राजा रवि वर्मा ने करियर के चरम पर ये पेंटिंग बनाई थी और ये हमेशा सुर्खियों में रही है. मुंबई में नीलामी घर सैफ्रॉन आर्ट की नीलामी में ये पेंटिंग 17,9 करोड़ डॉलर में बिकी. यह भारतीय कला जगत की सबसे महंगी पेंटिंग है. इस पेंटिंग की बिक्री से पहले के 80-120 करोड़ रुपये की बोली लगने का अनुमान था, लेकिन इसने उम्मीद से दोगुना ज्यादा कीमत वसूली. यशोदा और कृष्ण की पेंटिंग को खरीदने वाले सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के अध्यक्ष साइरस पूनावाला ने इसे अपना सौभाग्य बताया है।

लगभग 80% कारें लोन पर खरीदी जाती हैं

पार्किंग प्रूफ अनिवार्य करने से सरकार ने किया इनकार

नितिन गडकरी ने स्पष्ट किया है कि वाहन रजिस्ट्रेशन के लिए पार्किंग प्रूफ अनिवार्य करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। फिलहाल ऐसा कोई नियम लागू करने की योजना भी नहीं है।

नई दिल्ली | केंद्र सरकार ने वाहन रजिस्ट्रेशन के लिए पार्किंग का सबूत अनिवार्य करने की किसी भी योजना से इनकार कर दिया है, भले ही उसने शहरी भारत में ट्रैफिक जाम के बढ़ते दबाव की ओर इशारा किया हो। बुधवार को राज्यसभा में एक लिखित जवाब में, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि फिलहाल ऐसा कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। जिसके तहत वाहन खरीदारों को पार्किंग की उपलब्धता की पुष्टि करने वाला हलफनामा जमा करना ज़रूरी हो, और न ही ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन है।

यह मुद्दा क्यों उठा था?

यह प्रतिक्रिया दिल्ली और मुंबई जैसे शहरों में समय-समय पर होने वाली उन नीतिगत चर्चाओं के बीच आई है। जिनमें भीड़भाड़ को कम करने के तरीके के तौर पर कार के मालिकाना हक को पार्किंग की उपलब्धता से जोड़ने पर विचार किया जाता है। हालांकि, सरकार ने यह साफ कर दिया कि ट्रैफिक में होने वाली रुकावटों का सीधा संबंध, पार्किंग के झूठे हलफनामों के आधार पर किए गए वाहनों के पंजीकरण से नहीं जोड़ा जा सकता।

सरकार का मानना है कि ट्रैफिक समस्या का कारण सिर्फ वाहन रजिस्ट्रेशन नहीं है।

ट्रैफिक जाम के असली कारण क्या हैं?

सरकार के अनुसार, ट्रैफिक बढ़ने के पीछे कई वजहें हैंः

सार्वजनिक परिवहन की कमी

निजी वाहनों का तेजी से बढ़ना

पार्किंग सिस्टम की कमजोर व्यवस्था

कितनी कारें लोन पर खरीदी जा रही हैं?

खास बात यह है कि संसद में जारी किए गए आंकड़े भारत के क्रेडिट-आधारित ऑटो बाजार के बड़े पैमाने को दिखाते हैं। कैलेंडर वर्ष 2025 में रजिस्टर्ड 45.86 लाख चार-पहिया वाहनों में से 36.67 लाख, यानी 79.96 प्रतिशत (करीब 80 प्रतिशत), बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ हाइपोथिकेशन-सह-ऋण समझौतों के जरिए खरीदे गए थे।

यह दिखाता है कि ऑटो सेक्टर काफी हद तक बैंक और फाइनेंस कंपनियों पर निर्भर है।

क्या बैंक पार्किंग प्रूफ मांगते हैं?

सरकार ने बताया किः

इस बात का कोई डेटा उपलब्ध नहीं है कि बैंक पार्किंग प्रूफ मांगते हैं या नहीं

भविष्य में भी इस पर कोई दिशा-निर्देश जारी करने की योजना नहीं है

इस फैसले का क्या असर होगा?

सरकार के इस फैसले सेः

कार खरीदने की प्रक्रिया आसान बनी रहेगी

ऑटो और फाइनेंस सेक्टर पर कोई नया दबाव नहीं आएगा

ट्रैफिक समस्या का समाधान कौन करेगा?

सरकार ने साफ किया है किः ट्रैफिक और पार्किंग की समस्या को हल करना राज्यों और स्थानीय निकायों की जिम्मेदारी है वे अपनी जरूरत के अनुसार नियम बना सकते हैं

कुल मिलाकर क्या समझें?

फिलहाल कार खरीदने के लिए पार्किंग प्रूफ देना जरूरी नहीं होगा।

सरकार ने मौजूदा व्यवस्था को बरकरार रखते हुए ट्रैफिक समस्या का समाधान स्थानीय स्तर पर छोड़ दिया है।

35 देशों की उम्मीद मोदी पर टिकी, अब हॉर्मुज खुलवाएगा भारत!

• नई दिल्लीं, एजेंसी

नई दिल्ली, एजेंसी | विदेश मंत्रालय (MEA) ने गुरुवार को कहा कि भारत पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए यूनाइटेड किंगडम द्वारा आयोजित बहुराष्ट्रीय वर्चुअल शिखर सम्मेलन में भाग लेगा, और साथ ही यह भी बताया कि लंदन ने नई दिल्ली को निमंत्रण भेजा है। मीडिया ब्रीफिंग में बोलते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि ब्रिटेन ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर वार्ता के लिए भारत सहित कई देशों को आमंत्रित किया है। उन्होंने आगे बताया कि विदेश सचिव विक्रम मिसरी गुरुवार शाम को वार्ता में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि हम ईरान और अन्य देशों के साथ संपर्क में हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि हमारे जहाजों के लिए निर्बाध और सुरक्षित पारगमन कैसे सुनिश्चित किया जा सकता है, जिनमें एलपीजी, एलएनजी और अन्य उत्पाद ले जाए जा रहे हैं। जयसवाल ने आगे कहा कि पिछले कई दिनों से चल रही बातचीत के परिणामस्वरूप, छह भारतीय जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित रूप से पार करने में सक्षम रहे हैं, और हम संबंधित पक्षों के साथ लगातार संपर्क में हैं।

लगभग 30 देशों का एक गठबंधन ब्रिटेन द्वारा आयोजित आभासी शिखर सम्मेलन में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की योजनाओं पर चर्चा करने वाला है। इस बैठक में महत्वपूर्ण जहाजरानी मार्ग तक पहुंच बहाल करने के लिए राजनयिक और राजनीतिक विकल्पों पर विचार-विमर्श किया जाएगा, हालांकि अमेरिका के इसमें भाग लेने की संभावना नहीं है। अमेरिका और इज़राइल के बीच चल रहे युद्ध के जवाब में ईरान ने जलडमरूमध्य में कई जहाजों को निशाना बनाया है, जिससे ऊर्जा निर्यात बाधित हुआ है और वैश्विक ईंधन की कीमतें बढ़ गई हैं।

राजस्थान में अनूठा विवाह

तमन्ना श्रीकृष्ण को बनाएगी अपना दूल्हा

• जयपुर एजेंसी

जयपुर | राजस्थान की पावन भूमि ने एक बार फिर से भक्ति की अनोखी मिसाल पेश करने जा रही है। जयपुर जिले के जोबनेर की 21 वर्षीय दिव्यांग युवती तमन्ना कंवर ने अपने आराध्य भगवान श्रीकृष्ण को ही अपना जीवनसाथी चुन लिया है। इस अलौकिक विवाह का आयोजन आज यानी 2 अप्रैल को चैत्र पूर्णिमा के पावन अवसर पर पूरे पारंपरिक हिंदू रीति-रिवाजों के साथ किया जाएगा। जिस धरती ने कभी मीराबाई को जन्म दिया, उसी राजस्थान की मिट्टी में आज तमन्ना की भक्ति उसी परंपरा को आगे बढ़ाती नजर आ रही है।

इस अनूठे आयोजन की तैयारियां जोरों-शोरों से चल रही हैं। परिवार ने करीब 400 निमंत्रण पत्र छपवाए हैं और ऑनलाइन माध्यम से भी लोगों को आमंत्रित किया जा रहा है। हल्दी, मेहंदी, बारात, फेरे और विदाई जैसी हर रस्म इस विवाह में पूरी श्रद्धा के साथ निभाई जाएगी। इस दिव्य विवाह को देखने के लिए करीब दो हजार लोगों के पहुंचने का अनुमान है। तमन्ना के पिता मंगल सिंह खंगारोत ने इस अवसर के लिए भगवान श्रीकृष्ण की एक विशेष प्रतिमा तैयार करवाई है, जो चांदी की बनी है और उस पर सोने का लेप चढ़ाया गया है। परिवार वृंदावन और भांडीर वन से सुहाग की सामग्री और सिंदूर भी लेकर आया है। मान्यता है कि भांडीर वन वही पवित्र स्थल है, जहां ब्रह्माजी ने स्वयं राधा और कृष्ण का विवाह संपन्न कराया था।

अमेरिका ने ईरान के सबसे उंचे पुल को हवाई हमले में किया तबाह, तेहरान का करज से संपर्क टूटा

• नई दिल्लीं, एजेंसी

नई दिल्ली | पश्चिम एशिया में जारी भीषण संघर्ष के बीच एक बड़ी खबर आ रही है। जंग के 34वें दिन हवाई हमलों में पश्चिम एशिया के सबसे ऊंचे पुल को निशाना बनाया गया है। इस हमले के बाद ईरान की राजधानी तेहरान का अपने पड़ोसी शहर करज से संपर्क पूरी तरह कट गया है। स्थानीय मीडिया ने इस भीषण हमले की पुष्टि की है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस हमले में कई लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की खबर है। हमले की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पुल के अलावा करज शहर के कई अन्य इलाकों को भी निशाना बनाया गया है, जिससे वहां अफरा-तफरी का माहौल है।

जिस बी1 ब्रिज को इस हमले में निशाना बनाया गया है, वह ईरान के लिए सिर्फ एक रास्ता भर नहीं था। यह पश्चिमी एशिया के सबसे आधुनिक इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स में से एक था, जिसे पूरी तरह से ईरानी तकनीक की मदद से तैयार किया गया था। इस पुल की खासियतें हैरान करने वाली थीं। यह पुल 1,050 मीटर लंबा था और आठ हिस्सों में बंटा था। इसका सबसे लंबा हिस्सा 176 मीटर का था। इसे थामने के लिए 136 मीटर ऊंचा एक विशाल खंभा बनाया गया था। इसे बनाने में करीब 400 मिलियन अमेरिकी डॉलर की भारी-भरकम लागत आई थी।

हनी सिंह और बादशाह के विवादित गाने पर गिरी गाज, दिल्ली हाईकोर्ट ने डिजिटल प्लेटफॉर्म से हटाने का आदेश दिया

नई दिल्ली | साल 2000 में रैपर, सिंगर हनी सिंह और बादशाह ने मिलकर एक गाना बनाया था, जो बाद में विवाद में घिर गया। इस विवादित गाने को अब दिल्ली हाईकोर्ट ने हर डिजिटल प्लेटफॉर्म से हटाने का आदेश दिया है। जानिए, क्या है पूरा मामला।

रैपर हनी सिंह और सिंगर बादशाह 'माफिया मुंडीर' नाम का एक ग्रुप बनाकर साल 2000 में गाने लिखा करते थे। साथ में कई गाने दोनों ने बनाए थे, जिन्हें पसंद भी किया गया था। इस दौरान एक ऐसा गाना हनी सिंह और बादशाह ने बनाया, जिसके बोल बहुत ही अश्लील, अभद्र थे। इस गाने पर कई लोगों ने आपत्ति जताई, मामला कोर्ट तक पहुंचा। अब इस गाने को डिजिटल प्लेटफॉर्म से हटाने का आदेश कोर्ट ने दिया है।

जस्टिस पुरुशेंद्र कौरव ने कहा कि इस गाने के बोल बेहद अश्लील, अभद्र और महिलाओं के प्रति अपमानजनक हैं। कोई भी सभ्य समाज ऐसी सामग्री को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बने रहने की अनुमति नहीं दे सकता।

कोर्ट में हनी सिंह और बादशाह के पुराने और विवादित गाने पर याचिका हिंदू शक्ति दल ने दायर की थी। इसी याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने गाना भी सुना। कोर्ट ने गाना सुनकर कहा कि यह उन बहुत ही कम मामलों में से एक है, जिसने कोर्ट की अंतरात्मा को अंदर तक झकझोर दिया है। कोर्ट के अनुसार गाने के बोल महिलाओं के लिए अपमानजनक हैं और उनमें कोई भी कलात्मक या सामाजिक मूल्य नहीं है।

बिना डर वोट दें, टीएमसी को उखाड़कर बंगाल की खाड़ी में फेंक दें - अमित शाह

• नई दिल्लीं, एजेंसी

नई दिल्ली | केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कोलकाता में एक राजनीतिक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि हर किसी को बिना किसी डर के मतदान करना चाहिए ताकि टीएमसी को जड़ से उखाड़ फेंका जा सके और उसे बंगाल की खाड़ी में बहा दिया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि इस बार किसी को डरने की जरूरत नहीं है क्योंकि कोई भी गुंडा पश्चिम बंगाल के मतदाताओं को नहीं रोक सकता। अमित शाह ने कोलकाता में एक चुनावी रैली में कहा कि इस बार किसी को डरने की जरूरत नहीं है; कोई गुंडा बंगाल के मतदाताओं को नहीं रोक सकता। हर किसी को बिना किसी डर के मतदान करना चाहिए ताकि टीएमसी को जड़ से उखाड़ फेंका जा सके और उसे बंगाल की

खाड़ी में बहा दिया जा सके। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में बदलाव आएगा। लेकिन आप भाबनीपुर में बदलाव चाहते हैं या नहीं? मैं यहां अपने उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी के लिए आपके वोटों की अपील करने आया हूं।

बंगाल में लगभग हर दिन बम हमले और गोलीबारी की खबरों का हवाला देते हुए अमित शाह ने कहा कि न केवल बंगाल में बल्कि ममता बनर्जी के निर्वाचन क्षेत्र भाबनीपुर में भी बदलाव आएगा। गौरतलब है कि अमित शाह ने गुरुवार को भाबनीपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के नामांकन दाखिल करने के कार्यक्रम में भाग लिया और उनके साथ रोड शो किया। रोड शो भाबनीपुर के विभिन्न हिस्सों से होते हुए सर्वे भवन पर समाप्त हुआ, जहां अधिकारी अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। पार्टी सूत्रों ने बताया कि काफिला सर्वे भवन से लगभग 200 मीटर पहले रुकेगा और शाह अधिकारी के साथ कार्यालय तक जाएंगे, जहां भाजपा नेता अपना नामांकन पत्र जमा करेंगे। भाजपा नेताओं ने कहा कि नामांकन दाखिल करने के कार्यक्रम में शाह की भागीदारी भाबनीपुर चुनाव को पार्टी द्वारा दिए जा रहे महत्व को रेखांकित करने के लिए थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भी बाद में भाबनीपुर में चुनाव प्रचार करने की संभावना है।

राघव चड्ढा से आप का मोहभंग? राज्यसभा में पंख कतरे, अशोक मित्तल को मिली जिम्मेदारी

• नई दिल्लीं, एजेंसी

नई दिल्ली | आम आदमी पार्टी (आप) ने गुरुवार को राज्यसभा सचिवालय को पत्र लिखकर राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को उच्च सदन के उपनेता पद से हटाने की मांग की। पार्टी ने सांसद अशोक मित्तल को उपनेता नियुक्त करने का अनुरोध किया है। आम आदमी पार्टी ने एक बयान में कहा कि अशोक कुमार मित्तल राज्यसभा में आप के नए उपनेता होंगे। आप ने इस संबंध में राज्यसभा सचिवालय को एक आधिकारिक पत्र भेजा है।

हाल के दिनों में, दिल्ली चुनाव 2025 में आम आदमी पार्टी की हार के बाद से, चड्ढा ने खुद को आम आदमी पार्टी के एजेंडे या नेताओं से काफी हद तक दूर कर लिया है, और अपने सवैतनिक पितृत्व अवकाश और हवाई अड्डों पर भोजन की उच्च लागत

जैसे सार्वजनिक हित के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने गिग वर्करों के अधिकारों की रक्षा और भारत के प्रमुख शहरों में बिगड़ती यातायात स्थिति जैसे मुद्दों को भी उठाया। आम आदमी पार्टी के प्रमुख मुद्दों पर उनकी चुप्पी ने पार्टी छोड़ने की अफवाहों को जन्म दिया, खासकर असम के लिए पार्टी के प्रमुख प्रचारकों की सूची से उनका नाम हटाए जाने के बाद।

हालांकि, आम आदमी पार्टी ने इस फैसले के पीछे का कारण आधिकारिक तौर पर नहीं बताया है। खबरों के मुताबिक, यह कदम अनुशासनहीनता और पार्टी की नीतियों का पालन न करने के आरोपों के चलते उठाया गया हो सकता है। गौरतलब है कि शराब उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को हाल ही में बरी किए जाने पर चड्ढा चुप रहे थे।

इसी बीच, चड्ढा ने हाल ही में संसद में सवैतनिक पितृत्व अवकाश का मुद्दा उठाया और तर्क दिया कि देखभाल करना एक साझा जिम्मेदारी होनी चाहिए, और मांग की कि इसे भारत में एक कानूनी अधिकार बनाया जाए। उन्होंने कहा कि नवजात शिशु के पालन-पोषण और देखभाल की जिम्मेदारी काफी हद तक मां पर पड़ती है, जो अनुचित है, और पिता को अपने बच्चे के साथ रहने और अपनी आजीविका सुरक्षित करने के बीच चुनाव करने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए।

बजट सत्र 13 दिन के लिए स्थगितः महिला आरक्षण को लेकर 16 अप्रैल से फिर बैठेगी संसद

• नई दिल्लीं, एजेंसी

नई दिल्ली | संसद से इस वक्त बड़ी खबर सामने आ रही है। गुरुवार 2 अप्रैल को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने वाला बजट सत्र खत्म नहीं हुआ है। सरकार ने इसे आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। अब राज्यसभा और लोकसभा में सभी सांसद एक छोटे से ब्रेक के बाद 16 अप्रैल को सुबह 11 बजे फिर से बैठेंगे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार का पूरा फोकस अब 'महिला आरक्षण कानून' को जल्द से जल्द जमीन पर उतारने पर है। इसके लिए लोकसभा की मौजूदा सीटों की संख्या को 543 से बढ़ाकर 816 करने की तैयारी है। इसी से जुड़े बिल और अन्य जरूरी संविधान संशोधनों को पास कराने के लिए संसद को दोबारा बुलाया जा रहा है। यह सत्र 16 अप्रैल से लेकर 18 अप्रैल तक चलेगा।

गुरुवार को जब सदन की कार्यवाही चल रही थी, तब राज्यसभा के उप-सभापति हरिवंश ने सदन को 16 अप्रैल तक के लिए स्थगित करने की घोषणा की। पहले के तय कार्यक्रम के मुताबिक, 28 जनवरी से शुरू हुआ बजट सत्र आज यानी 2 अप्रैल को ही समाप्त होने वाला था।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 मण्डल मनगवां का सरस्वती शिशु मंदिर मनगवां में प्रशिक्षण संपन्न हुआ

साधना एक्सप्रेस रीवा मनगवां

नि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता प्रशिक्षण प्रातः 09:30 बजे से प्रातः पंजीयन/अल्पाहार के साथ शुरू हुआ,पार्टी की रीति-नीति के अनुरूप दीप प्रज्वलन,सम्पूर्ण वन्देमातरम गायन एवं अतिथियों का स्वागत किया गया...

स्वागत उद्बोधन मण्डल अध्यक्ष अरुणेन्द्र मिश्रा ने किया,अध्यक्षीय उद्बोधन जिले के महामंत्री एवं मण्डल के प्रभारी श्री उमाशंकर पटेल ने दिया,उद्घघाटन सत्र में जिलाध्यक्ष श्री वीरेंद्र गुप्ता ने भाजपा के इतिहास से अवगत कराया,द्वितीय सत्र में मनगवां के लोकप्रिय विधायक इन्जीनियर नरेंद्र प्रजापति ने प्रदेश सरकार की योजनाओं विस्तार से चर्चा की ,तृतीय सत्र में श्री जगजीवन लाल तिवारी ने कार्य विस्तार विषय पर अपनी बात रखी ,तत्पश्चात समस्त प्रशिक्षणार्थी भोजन किये,चतुर्थ सत्र में पार्टी के वैचारिक आधिष्ठान विषय पर श्री राजेंद्र पाण्डेय ने व्याख्यान दिया ,पंचम सत्र में पार्टी की कार्यपद्धति पर पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ अजय सिंह जी ने ,षष्टम सत्र मे केंद्र सरकार की योजनाओं के बारे मे वरिष्ठ एडवोकेट श्री रावेन्द्र मिश्रा ने ,सप्तम सत्र में बूथ प्रबंधन एवं मन की बात विषय पर जिला उपाध्यक्ष श्री शरद साहू जी ने एवं द्वितीय दिवस पर डा अनिल पटेल जी के द्वारा सोशल मीडिया पर विषय रखा गया। प्रशिक्षण वर्ग में रात्रि प्रवास के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति के दौरान क्षेत्रीय विधायक इन्जीनियर नरेन्द्र प्रजापति ने कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर देशभक्ति गीतों एवं भजनों को सुनाकर सभी का मन मोह लिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छोला क्षेत्र में खेड़ापति हनुमान जन्मोत्सव पर की पूजा-अर्चना

संक्षिप्त समाचार

पिपरिया में वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत:एक युवक घायल

पिपरिया,(निप्र)। पिपरिया बनखेड़ी रोड पर रविवार रात सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसका भाई घायल हो गया। अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। मंगलवारा पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान बनखेड़ी निवासी मयंक ठाकुर (25) के रूप में हुई है। बाइक पर उनके साथ सवार उनके भाई संजय को मामूली चोटें आई हैं। घटना रविवार देर शाम रामपुर के आगे बासखेड़ा के बीच एक वेयरहाउस के पास हुई। हादसे के बाद मृतक के चाचा पवन ने 112 पर सूचना दी। राहगीरों की मदद से दोनों घायलों को पिपरिया के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने मयंक ठाकुर को मृत घोषित कर दिया, जबकि संजय को प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। मंगलवारा पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है और अज्ञात वाहन की तलाश जारी है।

अवैध डीजल भंडारण पर जावर थाना पुलिस की कार्यवाही, 4825 लीटर डीजल जब्त

सीहोर ,(निप्र)। जिले में डीजल, पेट्रोल एवं गैस सिलेंडर के अवैध भंडारण को रोकने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी के चलते 29 मार्च की रात को जावर पुलिस द्वारा इंदौर भोपाल रोड़ स्थित चद्दर का टपरा (शेड) एवं टीन की गोदाम में अवैध रूप से भंडारित 4825 लीटर डीजल जब्त किया गया। इस डीजल की कीमत लगभग 04 लाख रूपये है। इसके साथ ही अवैध भंडारण करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध प्रकरण भी दर्ज किया गया है। जिन व्यक्तियों के विरूद्ध प्रकरण दर्ज किया गया है, उनमें शाजापुर जिले के जरखी निवासी दीपसिंह परिहार और आष्टा के मालीपुरा निवासी जुगल जायसवाल एवं यश जायसवाल शामिल हैं। जावर थाना प्रभारी एवं उप पुलिस अधीक्षक श्री हेमंत पांडेय ने बताया कि यह कार्रवाई उप निरीक्षण संतोष विश्वकर्मा, प्रभारी आरक्षक जस्सुलाल सोलंकी, आरक्षक नरेन्द्र, मनोज, जितेन्द्र जमरे, सुरेन्द्र जमरा, अमित जमरे, कमलेश पंवार, सैनिक संतोष पोरवाल, राहुल परमार, संतोष, यशवंत, गोपाल और थाना जावर पुलिस द्वारा की गई।

घरेलू गैस सिलेण्डर का व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में उपयोग करने पर रोक ,9 प्रकरण दर्ज किए गए

रायसेन ,(निप्र)। कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार सोमवार को एसडीएम रायसेन एवं जिला आपूर्ति अधिकारी रायसेन के निर्देशन में श्री शैलेश सिंह नायब तहसीलदार रायसेन और श्रीमती संगीता बंजारी सहायक आपूर्ति अधिकारी रायसेन द्वारा रायसेन शहर में विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान 14.2 किलोग्राम के घरेलू गैस सिलेण्डर का व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में उपयोग करने वाले होटल/रेस्टोरेंट/ढावा संचालकों पर 9 प्रकरणों में 14.2 किलोग्राम के 13 घरेलू गैस सिलेण्डर एवं 1 छोटा 5 किलोग्राम का, इस प्रकार कुल 14 सिलेण्डर एवं 2 भटटी जप्त कर अमन गैस एजेन्सी सॉची रोड रायसेन की सुपुर्दगी में दिये गये। आगे भी घरेलू गैस सिलेण्डरों का व्यवसायिक उपयोग करने वाले होटल / रेस्टोरेंट / ढावा संचालकों पर कार्यवाही की जायेगी । साथ ही जिले के समस्त होटल / रेस्टोरेंट / ढावा संचालकों से अपील की जाती है कि घरेलू गैस सिलेण्डर का उपयोग व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में नहीं करते हुए कामर्शियल सिलेण्डर, लकडी / डीजल भटटी या इण्डेक्सन का ही उपयोग किया जाये ।

जल गंगा संवर्धन अभियान : बिसनूर और धाबला में जल मंदिर प्याऊ का किया शुभारंभ

बैतूल ,(निप्र)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 प्रदेशभर में 19 मार्च से 30 जून 2026 तक चलाया जा रहा है। इसी अभियान के अंतर्गत मप्र जन अभियान परिषद विकासखंड प्रभातपट्टन में विकासखंड समन्वयक राधा बरोदे की उपस्थिति में विभिन्न ग्रामों में जल संरक्षण एवं जनजागरूकता के माध्यम से समाज को जोड़ने के लिए कार्य किए जा रहे हैं।

ग्राम बिसनूर की प्रस्फुटन समिति द्वारा राहगीरों की सुविधा के लिए बस स्टैंड पर जल मंदिर प्याऊ का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ ग्राम सरपंच श्रीमती प्रियंका ठाकरे एवं प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष द्वारा पूजन कर किया गया। समिति द्वारा 4 मटकों की व्यवस्था की गई तथा प्रतिदिन पानी भरने की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित की गई है। इसके अलावा ग्राम धाबला की प्रस्फुटन समिति द्वारा बिरूल बाजार रोड स्थित शिव मंदिर परिसर में जल मंदिर प्याऊ का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष द्वारा पूजन कर विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत ताप्ती नदी के घाट की सफाई भी की गई , जिससे स्वच्छता एवं जल संरक्षण का संदेश दिया जा सके। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के स्टूडेंट्स एवं परामर्शदाता द्वारा जल संरक्षण की जनजागृति के लिए दीवार लेखन भी किया गया।

भूकंपपूर्व तैयारी एवं क्षमतावर्धन कार्यक्रम अंतर्गत पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

रायसेन ,(निप्र)। मप्र में भूकंपपूर्व तैयारी एवं क्षमतावर्धन कार्यक्रम अंतर्गत जिला रायसेन में भूकंप आपदा जोखिम प्रबंधन तथा ध्वस्त ढांचा, खोज एवं बचाव विषय पर जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के नेतृत्व में 25 मार्च से 29 मार्च तक 05 दिवसीय प्रशिक्षण सत्र संपन्न हुआ। आपदा प्रबंध संस्थान, गृह विभाग म.प्र. शासन भोपाल से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार जिला कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशन एवं अपर कलेक्टर श्री मनोज उपाध्याय के मार्गदर्शन में ह्यूमन एण्ड नेचर डेव्हलपमेंट फाउंडडेशन द्वारा प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

वन परिसर रायसेन में आयोजित इस प्रशिक्षण में होमगार्ड सैनिक, एसडीआरएफ, पुलिस विभाग के जवान सहित स्कूल प्राचार्यो ने सहभागिता की। कार्यक्रम में एसएलआर श्री राजेश राम, श्री उमेश तिवारी जिला सेनानी होमगार्ड, श्री जितेन्द्र दुबे राजस्व निरीक्षक, श्री देवीसिंह परते, श्री ए. खान प्लाटून कमांडर होमगार्ड , सिविल सर्जन आदि उपस्थित रहे। प्रथम दिवस आपदा प्रबंध संस्थान भोपाल से आए तकनीकी विशेषज्ञ श्री अभिषेक मिश्रा , द्वतीय दिवस में श्री ख़ान द्प्लाटून कमांडेंट स्छत्क्ष्ब्, तृतीय एवं चतुर्थ दिवस में इंजीनियर तुषार ष्ठस्ब्द्ध भोपाल द्वारा प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को आपदाओं का परिदृश्य एवं प्रबंधन, भूगर्भिक, भूकंप आपदाओं का परिचय, भूकंप प्रतिरोधी बुनियादी ढांचा, समुदायों को तैयार करना, क्या करें और क्या न करें, ध्वस्त संरचनाओं में खोज एवं बचाव, बाहरी कौशल संबंधी व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

खाद्य विभाग के अधिकारी कर रहे पेट्रोल पंपों एवं गैस एजेंसियों का निरीक्षण

सीहोर ,(निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी गैस सिलेंडरों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने और गैस सिलेंडरों के व्यवसायिक उपयोग को रोकने के उद्देश्य से खाद एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों द्वारा जिले के पेट्रोल पंपों, गैस एजेंसियों के गोदामों, होटलों एवं अन्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया जा रहा है। बुधनी सहायक आपूर्ति अधिकारी श्री प्रकाश यादव द्वारा बुधनी स्थित 02 गैस एजेंसियों एवं 03 पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सभी पेट्रोल पंपों पर पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल एवं डीजल उपलब्ध पाया गया। इसके साथ ही बुधनी, बकतरा एवं शाहगंज स्थित 12 होटलों एवं रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया गया। सहायक आपूर्ति अधिकारी श्री प्रकाश यादव ने बताया कि खाद्य विभाग द्वारा निरंतर पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी गैस के स्टॉक की निगरानी की जा रही है तथा वर्तमान में आपूर्ति में किसी भी प्रकार की कोई बाधा नहीं है।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की सख्त कार्रवाई - डेयरी व जूस सेंटर से नमूने लिएए दिए सुधार के निर्देश

कलेक्टर अंशुल गुप्ता के निर्देश पर कार्रवाई तेज शिकायतों पर त्वरित जांच

विदिशा ,(निप्र)। विदिशा जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर अंशुल गुप्ता के निर्देशानुसार प्राप्त शिकायतों पर त्वरित जांच करते हुए संबंधित प्रतिष्ठानों पर निरीक्षण किया गया। माधवगंज स्थित श्याम डेयरी के पनीर की गुणवत्ता को लेकर शिकायत प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। निरीक्षण के दौरान डेयरी से पनीरए मावाए घी एवं दही के नमूने विधिवत एकत्रित किए गए। साथ ही डेयरी संचालक को खाद्य सामग्री को ढंककर रखनेए हाथों में दस्ताने पहनने तथा स्वच्छता बनाए रखते हुए खाद्य सामग्री का विक्रय करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए। इसी क्रम में जिला अस्पताल विदिशा के सामने स्थित भैरो टी स्टाल के गन्ने के जूस को लेकर भी शिकायत मिली थी।

इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा जूस का नमूना लिया गया। संचालक को गन्ने को अच्छी तरह साफ करके जूस निकालने एवं साफ.सफाई का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने बताया कि एकत्रित सभी नमूनों को राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद यदि खाद्य सामग्री अवमानक या असुरक्षित पाई जाती हैए तो संबंधित संचालकों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हरदा में सड़क हादसा

19 साल की आरती की मौत:चाचा के आने का कर रही थी इंतजार, सिर में चोट लगने से गई जान

हरदा ,(निप्र)। छीपाबड़ थाना क्षेत्र के ग्राम नीमसराय के पास एक सड़क हादसे में 19 वर्षीय युवती की मौत हो गई। मृतका की पहचान आरती पिता शिवशेल मिश्रा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरती अपने चाचा व्योमकेश मिश्रा के साथ हरदा आने के लिए नीमसराय गांव से निकली थी। उनके चाचा अपना मोबाइल घर पर भूल गए थे, जिसे लेने वे वापस घर गए।

सड़क किनारे कर रही थी इंतजार बाइक ने टक्कर मारी

आरती सड़क किनारे एक पेड़ के पास बैठकर चाचा का इंतजार कर रही थी। तभी एक अज्ञात बाइक सवार ने उसे टक्कर मार दी। इस हादसे में आरती के सिर में गंभीर चोटें आईं। उसे तुरंत एम्बुलेंस से जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। जिला अस्पताल के डॉक्टरों के मुताबिक, सिर में गंभीर चोट लगने के कारण ही उसकी जान गई। शाम को जिला अस्पताल में मृतका के शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि आरती अपने तीन भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर थी।

राष्ट्रीय मंच पर चमका विदिशा - गौमय उत्पादों को SKOCH अवॉर्ड, 2150 महिलाओं की मेहनत को मिला सम्मान

गौशालाओं से आत्मनिर्भरता की राह - पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का अनूठा संगम

विदिशा ,(निप्र)। विदिशा जिले के लिए यह गर्व का क्षण है कि जिले में निर्मित गौमय उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। नई दिल्ली में आयोजित एसकेओसीएच समिट 2026 के दौरान विदिशा की गौशालाओं से जुड़े उत्पादकों को प्रतिष्ठित एसकेओसीएच पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि न केवल जिले के लिए गौरव का विषय है, बल्कि ग्रामीण नवाचार और स्वावलंबन का सशक्त उदाहरण भी बनकर सामने आई है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता को नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में विदिशा जिले को प्राप्त अवार्ड सम्मान प्रमाण पत्र को सौंपा गया है। गौरतलब हो कि कलेक्टर प्रतिनिधि के रूप में जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया और पशु चिकित्सा सेवाएं विभाग के उप संचालक डॉ एनके शुक्ला ने दिल्ली में उक्त अवार्ड प्रमाण पत्र को प्राप्त किया था। जिसे आज कलेक्टर चेम्बर में उल्लेखित अधिकारियों के द्वारा सौंपा गया है।

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की प्रेरणादायक मार्गदर्शन में दीपावली 2025 से पहले एक व्यापक अभियान चलाया गया। इसके अंतर्गत विदिशा जिले की 45 गौशालाओं एवं आजीविका मिशन से जुड़ी 182 महिला स्व-सहायता समूहों की लगभग 2150 महिलाओं को गौमय उत्पाद निर्माण से जोड़ा गया है। इस पहल के तहत महिलाओं ने गोबर से बने करीब 250 प्रकार के पर्यावरण अनुकूल उत्पाद तैयार किए, जिनमें दीपक, हवन कप, धूपबत्ती, मूर्तियां और सजावटी सामग्री प्रमुख हैं। उत्पादन को गति देने के लिए 108 हस्तचालित मशीनें और बड़ी संख्या में सांचे उपलब्ध कराए गए, जिससे बड़े पैमाने पर गुणवत्तापूर्ण उत्पाद तैयार किए जा सके। परिणामस्वरूप लगभग 25 लाख गौमय दीपकों का निर्माण किया गया, जिन्हें देश के विभिन्न शहरों में भेजकर बिक्री की गई। इस पूरी प्रक्रिया से उत्पादकों को करीब 12.50 लाख रुपये की शुद्ध आय प्राप्त हुई, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली।

प्रभाव और भविष्य की दिशा

इस अभिनव मॉडल की सफलता के बाद इसे और व्यापक स्तर पर लागू करने की योजना बनाई जा रही है। भविष्य में अधिक गौशालाओं और स्व-सहायता समूहों को जोड़कर उत्पादन बढ़ाने तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच बनाने पर जोर दिया जाएगा। कलेक्टर के नवाचारों का यह प्रयास दिखाता है कि स्थानीय संसाधनों और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से किस तरह आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक विकास को एक साथ आगे बढ़ाया जा सकता है।

भगवान अग्रसेन महाराज एवं कुलदेवी माता लक्ष्मी की 25वीं महाआरती का आयोजन 5 को

भोपाल

अग्रवाल समाज द्वारा अपने आराध्य देव भगवान अग्रसेन महाराज एवं कुलदेवी माता लक्ष्मी की 25वीं महाआरती का आयोजन रविवार, 5 अप्रैल को किया जाएगा। यह महाआरती चैत्र नवरात्र 2024 से निरंतर आयोजित की जा रही है, जो समाज में श्रद्धा, भक्ति और एकजुटता का संदेश दे रही है। समाज के लोग भगवान अग्रसेन के आदर्शों को अपनाते हुए एक ईंट–एक रुपए के सिद्धांत पर चलते हुए सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। महाआरती में बड़ी संख्या में अग्रबंधु जजमानी कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। 25वीं महाआरती का आयोजन शाम 6 बजे श्री अग्रसेन वाटिका, आईटीसी पार्क, कमला पार्क के सामने किया जाएगा। इस अवसर पर जजमानी स्मृति शेष रघुनंदन गोयल (गोयल पब्लिसिटी), घनश्याम दास गोयल (गोयल ज्वेलर्स), डीपी गोयल (दैनिक अमृत दर्शन), शिवनंदन गोयल, मामा जी (शिव ओम ज्वेलर्स) एवं गोयल परिवार द्वारा की जा रही है। आयोजन समिति ने समाज के सभी अग्रबंधुओं से सपरिवार महाआरती में शामिल होकर प्रसाद ग्रहण करने की अपील की है।

शासकीय मेडिकल कॉलेज ग्वालियर एवं जबलपुर में प्रस्तावित सुदृढ़ीकरण एवं उन्नयन कार्यों को शीघ्र दें अंतिम रूपः उप मुख्यमंत्री शुक्ल

मरीजों की सुविधा और उन्नत चिकित्सा के सभी प्रावधान किए जाएं सुनिश्चित

भोपाल

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में ग्वालियर एवं जबलपुर स्थित शासकीय मेडिकल कॉलेजों में प्रस्तावित सुदृढ़ीकरण एवं उन्नयन कार्यों की वृहद समीक्षा की। उन्होंने प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि इन मेडिकल कॉलेजों में अत्याधुनिक (स्टेट ऑफ द आर्ट) सुविधाएं विकसित की जाएं तथा मरीजों की सुविधा और उन्नत चिकित्सा के सभी प्रावधान सुनिश्चित किए जाएं। बैठक में अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री अशोक बर्नवाल, आयुक्त श्री धनराजू एस, एमडी बीडीसी श्री सिबी चक्रवर्ती सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि सभी प्रस्तावों पर त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए समयबद्ध रूप से स्वीकृति एवं क्रियान्वयन की दिशा में कार्य किया जाए, ताकि प्रदेश में स्वास्थ्य

सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं सुलभ बनाया जा सके। बैठक में बताया गया कि ग्वालियर स्थित जयारोग्य अस्पताल के उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण हेतु प्रथम चरण में लगभग 911 करोड़ रुपये की लागत का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इस चरण में एमसीएच एवं सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के उन्नयन सहित विभिन्न निर्माण कार्य शामिल हैं। कार्य पूर्ण होने के पश्चात अस्पताल के निर्मित क्षेत्र (बिल्ट–अप एरिया) में लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि होगी, साथ ही ओपन स्पेस एवं ग्रीन एरिया में 7 से 8 प्रतिशत तक विस्तार किया जाएगा। इसके अतिरिक्त एसटीपी एवं ईटीपी के माध्यम से परिसर को जीरो डिस्चार्ज कैंपस के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसी प्रकार नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज, जबलपुर में वर्तमान 750 बिस्तरीय अस्पताल को उन्नत कर 1200 बिस्तरों तक विस्तारित किया जाएगा। साथ ही सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का विस्तार, हॉस्टल सुविधाओं का विकास तथा रेजिडेंशियल ब्लॉक के निर्माण कार्य भी प्रस्तावित हैं। गजरा राजा मेडिकल कॉलेज, ग्वालियर में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार एवं अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण के लिए चरणबद्ध विकास कार्य प्रस्तावित किए गए हैं। प्रथम चरण में 1050 बिस्तरीय मातृत्व एवं शिशु चिकित्सालय, 600 बिस्तरीय स्पेशियलिटी चिकित्सालय, 100 बिस्तरीय टीबी एवं आइसोलेशन वार्ड का विस्तार और 100 बिस्तरीय रेडियोथेरेपी एवं कैंसर अस्पताल का विस्तारीकरण किया जाएगा। इसके साथ ही प्रशासनिक भवन, नर्सिंग महाविद्यालय, 500 बिस्तरीय नर्सिंग छात्रावास, आवासीय इकाइयां, सर्विस ब्लॉक, पार्किंग तथा बाह्य विकास कार्य भी किए जाएंगे, जिन पर लगभग 911 करोड़ रुपये की लागत का प्रावधान है। द्वितीय चरण में 1500 सीटर ऑडिटोरियम, मरीजों के परिजनों के लिए डॉर्मिटरी, सेंट्रल ड्रग स्टोर, आवासीय इकाइयां तथा पीजी छात्रावास भवन का निर्माण किया जाएगा।

चार धाम यात्रा पर जाएंगे मंडल के दो जत्थेः रिंकू भटेजा

भोपाल। ओम शिव शक्ति सेवा मंडल भोपाल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि इस वर्ष चार धाम यात्रा 19 अप्रैल (अक्षय तृतीया)से प्रारंभ होकर 11 नवंबर (भाई दूज) तक चलेगी इस वर्ष मंडल के दो जत्थेचार धाम यात्रा के लिए रवाना होंगे पहला जत्था 30 अप्रैल को प्रकाश पाटिल एवं दूसरा जत्था 11 मई को मंडल की महिला शाखा की अध्यक्षा दिव्या बोहरा के नेतृत्व में रवाना होंगे। जत्थों में 50 से अधिक श्रद्धालु सम्मिलित रहेंगे।

सब-स्टेशन मेंटेनेंस के लिए 36 फीट ऊँचाई का मैन लिफ्टर इन-हाउस डिज़ाइन एवं निर्माण

भोपाल । मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने पारेषण कार्यों में नवाचार और सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। एमपी ट्रांसको टीकमगढ़ द्वारा सब स्टेशनों में मेंटेनेंस कार्यों के लिए 36 फीट तक ऊँचाई पर काम करने में सक्षम एक मैन लिफ्टर का सफलतापूर्वक डिज़ाइन एवं निर्माण इन-हाउस किया गया है।

यह अभिनव 'मैन लिफ्टर' विशेष रूप से सब स्टेशनों में स्थापित ऊँचाई पर स्थित उपकरणों के सुरक्षित, कुशल और समयबद्ध रखरखाव को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इस उपकरण की सहायता से मेंटेनेंस स्टॉफ अब ऊँचे स्ट्रक्चर, इंसुलेटर, बस बार तथा अन्य महत्वपूर्ण उपकरणों तक आसानी से पहुँच सकता है। इससे स्कैफोल्डिंग या लेडर के उपयोग की आवश्यकता काफी कम हो जाएगी, जिससे जोखिम और श्रम दोनों में उल्लेखनीय कमी आएगी।

मात्र 39 हजार मे तैयारः सब स्टेशन में ही उपलब्ध स्क्रैप मटेरियल और बाहर से न्यूनतम सामग्री खरीद कर इस लिफ्टर को तैयार किया गया है। बाजार में इस लिफ्टर की कीमत ढाई लाख रुपए से प्रारंभ होती है पर इसे सिर्फ 39000 रूपये में इन हाउस ही तैयार कर लिया गया। इन हाउस लिफ्टर तैयार करने में सागर के अधीक्षण अभियंता श्री एम वाय मंसूरी, के मार्गदर्शन में टीकमगढ़ के कार्यपालन अभियंता श्री आर. पी. कान्यकुब्ज, सहायक अभियंता श्री जी. पी. राय का योगदान रहा।

मेंटेनेंस की दक्षता में होगी बढ़ोतरी : यह नवाचार कार्यस्थल की सुरक्षा को बढाने के साथ , मेंटेनेंस कार्यों की दक्षता में सुधार करेगा तथा मरम्मत के दौरान होने वाले डाउनटाइम को भी कम करेगा। स्थानीय स्तर पर डिज़ाइन कर तैयार किया गया यह मैन लिफ्टर एमपी ट्रांसको की इन-हाउस नवाचार क्षमता का उदाहरण है।

भोपाल मंडल में 26 कर्मचारियों का सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्ति समारोह आयोजित

भोपाल, नप्र। पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल में माह मार्च 2026 के अंतर्गत सामान्य सेवानिवृत्ति प्राप्त करने वाले कुल 26 अधिकारी/कर्मचारियों के सम्मान में सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक, भोपाल श्री पंकज त्यागी द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशन भुगतान आदेश वितरित किए गए तथा उनके दीर्घकालीन सेवाकाल के लिए सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

समारोह में अपर मंडल रेल प्रबंधक (×स), वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, सहायक कार्मिक अधिकारी (कल्याण), सहायक मंडल वित्त प्रबंधक सहित यूनियन प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

इस समारोह केदौरान कुल 26 सेवानिवृत्त कर्मचारियों को लगभग 11,56,55,116/- (ग्यारह करोड़ छप्पन लाख पचपन हजार एक सौ सोलह रुपये) की सेवानिवृत्ति संबंधी देयकों का भुगतान किया गया।

साथ ही, संबंधित कल्याण निरीक्षक द्वारा 19 सेवानिवृत्त कर्मचारियों के महत्वपूर्ण कार्यानुभव को 'अनुभव पोर्टल' पर दर्ज किया गया, जिससे उनके अनुभव का उपयोग भविष्य में संगठनात्मक ज्ञान के रूप में किया जा सके।

भोपाल में करंट लगने से मजदूर की मौत, मार्बल घिसाई करते समय हादसा हुआ, मशीन में लगा था कटा हुआ तार

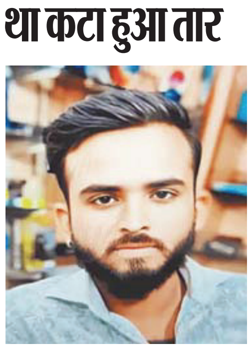

भोपाल । भोपाल के कोहेफिजा इलाके में मार्बल की घिसाई करते समय एक मजदूर की करंट लगने से मौत हो गई। घटना मंगलवार दोपहर की है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पीएम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया है।

सोनू वर्मा पुत्र पूरन सिंह वर्मा (25) मूलरूप से राजगढ़ का रहने वाला था। फिलहाल भोपाल की भानपुर मल्टी में किराए से रहता था। भोपाल में ही मार्बल घिसने वाली मशीन की आपरेटिंग का जॉब करता था। लालघाटी में उसकी साइट चल रही है।

मार्बल क्लिनिंग करते वक्त हादसाः मंगलवार की दोपहर को साइट पर मार्बल क्लिनिंग का काम कर रहा था। इसी दौरान उसे कटे हुए तार से करंट लग गया। इससे उसकी मौत हो गई। काफी देर तक जब मशीन चलने की आवाज नहीं आई तो साथी उसे चेक करने पहुंचा।

जहां सोनू जमीन पर बेसुध हालत में मिला। तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना, निशातपुरा में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित

भोपाल, नप्र। सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना, निशातपुरा, भोपाल में 30 मार्च को कारखाना राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 87वीं तिमाही बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष एवं मुख्य कारखाना प्रबंधक श्री प्रफुल्ल वी. कोहाड़े द्वारा की गई।

बैठक में केंद्र सरकार की राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग-प्रसार तथा सरकारी कामकाज में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने के विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान दिसंबर 2025 को समाप्त तिमाही में किए गए कार्यों की समीक्षा भी की गई। बैठक के प्रारंभ में श्री हनुमान प्रसाद मीना, उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (सडीएफके) द्वारा अध्यक्ष का पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। इसके पश्चात संपर्क राजभाषा अधिकारी एवं सहायक कार्मिक अधिकारी श्री एम.एल. मीना ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए बैठक की रूपरेखा रखी।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में श्री कोहाड़े ने कहा कि कारखाना में राजभाषा हिंदी का प्रयोग-प्रसार पूर्ण निष्ठा एवं सक्रियता से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हिंदी के माध्यम से सरकारी कार्य आमजन की भाषा में संपादित किए जा सकते हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे उत्पादन कार्यों के साथ-साथ राजभाषा नीति के अनुपालन को भी सुनिश्चित करें तथा हिंदी के संवैधानिक प्रावधानों की जानकारी रखते हुए इसके उपयोग को बढ़ावा दें।

बैठक में राजभाषा अनुभाग द्वारा प्रकाशित 'राजभाषा दैनंदिनी 2026' का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर बताया गया कि दैनंदिनी में राजभाषा से संबंधित संवैधानिक प्रावधान, अधिनियम, नियम एवं कार्यालयीन कार्यों में उपयोगी जानकारी शामिल है, जिससे अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दैनिक कार्य हिंदी में करने में सुविधा होगी।

बैठक में कारखाना के विभिन्न विभागों के अधिकारी, शॉप एवं अनुभाग प्रभारी तथा पर्यवेक्षक/मुख्य कार्यालय अधीक्षक एवं उनके प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक का संचालन एवं आभार प्रदर्शन श्री राकेश कुमार मालवीय, वरिष्ठ अनुवादक द्वारा किया गया।

बीएसएसएस ने रक्तदान शिविर का किया आयोजन; 81 यूनिट रक्त एकत्रित

भोपाल

फील्ड एक्शन प्रोजेक्ट ङ्क उम्मीद% के तहत, द भोपाल स्कूल ऑफ़ सोशल साइंसेज़ के समाज कार्य विभाग और राष्ट्रीय सेवा योजना ने, बीएसएसएस की %सोशल आउटरीच इनेबलिंग यूनिट% और %यूथ फॉर सेवा% के सहयोग से, हमीदिया ब्लड बैंक के साथ मिलकर कॉलेज परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस पहल में छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। विभिन्न छात्र संगठनों, जिनमें प्रोफेशनल सोशल वर्क स्टूडेंट्स एसोसिएशन, साइंस क्लब, कॉमर्स क्लब, साइबर क्लब, एडू क्लब, इग्निस, ह्यूमैनिटीज़ क्लब, साइकोलॉजी क्लब, प्रबंधन विभाग, इकोनॉमिक्स क्लब और कोडर्स क्लब शामिल हैं, ने इस शिविर के सफल आयोजन में अपना योगदान दिया। विभागाध्यक्ष समाजकार्य विभाग डॉ ॠत्विक गंधे ने बताया कि इस शिविर के दौरान कुल 81 यूनिट रक्त दान किया गया, जो बीएसएसएस की मानवीय सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व की प्रबल भावना को दर्शाता है। आयोजकों ने उन सभी छात्रों, शिक्षकों, गैर–शिक्षण कर्मचारियों, विभागों और सहयोगी संगठनों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग और भागीदारी ने इस कार्यक्रम को सफल बनाया।

समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन 10 और 15 अप्रैल से

भोपाल, नप्र। मध्यप्रदेश सरकार ने रबी विपणन वर्ष 2026-27 के तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर गेहूं की खरीदी को लेकर व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस संबंध में सोमवार को कैबिनेट समिति की एक उच्च स्तरीय बैठक वीडियो कॉन्फ्रेसिंग से आयोजित की गई, जिसमें राज्य में गेहूँ उपार्जन व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई।खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि कैबिनेट समिति ने निर्णय लिया है कि इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम और भोपाल संभाग में गेहूँ की खरीदी का कार्य 10 अप्रैल 2026 से प्रारंभ किया जाएगा। प्रदेश के शेष संभागों में उपार्जन कार्य 15 अप्रैल 2026 से शुरू होगा। सरकार ने सभी संबंधित विभागों को आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इसमें खरीदी केंद्रों की स्थापना, भंडारण क्षमता, परिवहन व्यवस्था और भुगतान प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाना शामिल है। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि बैठक में वैश्विक परिदृश्य, विशेष रूप से मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष के कारण उत्पन्न परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए खाद्यान्न आपूर्ति एवं भंडारण व्यवस्था पर विशेष चर्चा की गई। समिति ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों से गेहूँ खरीदी की प्रक्रिया को सुचारु, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से संचालित किया जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में इस बात पर भी जोर दिया गया कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य समय पर प्राप्त हो और भुगतान प्रक्रिया में किसी प्रकार की देरी न हो। इसके लिए डिजिटल भुगतान प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने तथा निगरानी तंत्र को मजबूत करने के निर्देश दिए गए। बैठक में राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा, परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री राव उदय प्रताप सिंह, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत तथा पशुपालन एवं डेयरी विभाग के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री श्री लखन पटेल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि समय पर और व्यवस्थित गेहूँ खरीदी से न केवल किसानों को लाभ मिलेगा, बल्कि प्रदेश में खाद्यान्न प्रबंधन भी सुदृढ़ होगा। इसके साथ ही, बदलते वैश्विक हालातों के बीच यह कदम राज्य की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव खाद्य श्रीमती रश्मि अरुण शमी, आयुक्त खाद्य श्री कर्मवीर शर्मा और नागरिक आपूर्ति निगम के प्रबंध संचालक श्री अनुराग वर्मा भी उपस्थित थे।

राज्य स्तरीय दिव्यांगन सलाहकार बोर्ड की बैठक सम्पन्न

दिव्यांगजन कल्याण एवं सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न विषयों पर हुई विस्तृत चर्चा

भोपाल, नप्र। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा है कि दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा में शामिल करना सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिए सभी विभागों के बीच समन्वय आवश्यक है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत विचार विमर्श और राज्य में संचालित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये मध्यप्रदेश सरकार द्वारा राज्य स्तरीय दिव्यांगन सलाहकार बोर्ड का गठन किया गया है। राज्य स्तरीय दिव्यांगजन सलाहकार बोर्ड की बैठक सोमवार को सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग सशक्तिकरण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह की अध्यक्षता में संचालनालय, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग, भोपाल में आयोजित की गई। बैठक में प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण श्रीमती सोनाली पोंक्षे वायंगणकर, निःशक्तजन आयुक्त डॉ. अजय खेमरिया सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

बैठक में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए विशेष सहायता निधि स्थापित करने और उन्हें प्रोत्साहन राशि प्रदान करने का प्रस्ताव रखा गया। साथ ही राज्य दिव्यांग खेल प्राधिकरण के गठन पर भी विचार किया गया, जिससे खेल प्रतिभाओं को बेहतर मंच मिल सके। ग्वालियर स्थित अटल बिहारी वाजपेयी दिव्यांग खेल प्रशिक्षण केंद्र के उपयोग में राज्य को अधिक अधिकार देने तथा दृष्टिबाधित खिलाड़ियों के लिए क्रिकेट मैदान विकसित करने का प्रस्ताव

भारत सरकार को भेजने पर सहमति बनी।

दिव्यांगजनों की स्वास्थ्य एवं पहचान संबंधी सुविधाओं को सरल बनाने के लिए DID कार्ड के साथ ही आयुष्मान कार्ड जारी करने का सुझाव दिया गया। इसके साथ ही UDID कार्ड निर्माण हेतु निजी अस्पतालों एवं चिकित्सकों को अधिकृत करने और मनरेगा में कार्यरत परिजनों की मजदूरी प्रभावित न हो, इसके लिए विशेष प्रावधान करने पर भी चर्चा हुई। प्रत्येक जिले में 'सिंगल विंडो सिस्टम' स्थापित करने का निर्णय लिया गया, जिससे दिव्यांगजनों की भिन्न समस्याओं का समाधान एक ही स्थान पर हो सके। साथ ही जिला स्तर पर दिव्यांग सलाहकार बोर्ड के गठन तथा राष्ट्रीय न्यास अधिनियम के अंतर्गत लोकल लेवल कमेटी की बैठक हर तीन माह में आयोजित करने पर जोर दिया गया। बौद्धिक दिव्यांगजनों के लिए लीगल गार्जियनशिप प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया को सरल बनाने का भी निर्णय लिया गया।

ट्रांसजेंडर के कल्याण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध

मध्यप्रदेश राज्य उभयलिंगी कल्याण बोर्ड की बैठक में सोमवार को सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि उभयलिंगी समुदाय के अधिकारों की रक्षा एवं उनके समग्र विकास के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है और भविष्य में भी इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। बैठक में प्रदेश में उभयलिंगी (ट्रांसजेंडर) वर्ग के कल्याण के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रयासों की समीक्षा की गई।

प्रदेश में अधिक से अधिक हों जल संवर्धन और जल संरक्षण के कार्य : मंत्री सिलावट

भोपाल, नप्र। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत प्रदेश के गांव-गांव, नगर-नगर में जल संरक्षण एवं जल संवर्धन संबंधी कार्य कराए जा रहे हैं। विभागीय अधिकारी समाज के सभी वर्गों एवं आमजन के सहयोग से अपने-अपने क्षेत्र में वृहत रूप से जल संरक्षण और संवर्धन के कार्य कराएं और इस अभियान को पूरी तरह सफल बनाएं। प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान गत 19 मार्च से चलाया जा रहा है जो तीन माह तक चलेगा।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने सोमवार को अपने निवास कार्यालय में जल गंगा संवर्धन अभियान संबंधी बैठक लेकर अभियान के अंतर्गत कराए जा रहे कार्यों की समीक्षा की एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अपर मुख्य सचिव, जल संसाधन डॉ. राजेश राजौरा, अधीक्षण यंत्री श्री पुष्पेन्द्र सिंह, श्रीमती हर्षा जैनवाल एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री श्री सिलावट ने निर्देश दिए कि अभियान के अंतर्गत आगामी दिनों में कराए जाने वाले कार्यों की कछारवार विस्तृत रूप रेखा तैयार कर आगामी 3 दिवस में प्रस्तुत की जाए।

|| संपादकीय ||

बुजुर्गों के भरण-पोषण के लिये एक सराहनीय पहल

भारतीय संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है- "मातृदेवो भव, पितृदेवो भव" केवल शास्त्रों की पंक्ति नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संरचना की आत्मा रही है। इसलिए यह किसी भी सभ्य समाज के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है कि जन्म देने और पालन-पोषण करने वाले माता-पिता को जीवन की सांझ में उपेक्षा, अपमान और आर्थिक असुरक्षा का सामना करना पड़े, और उन्हें अपने ही बच्चों से गुजारा भत्ता पाने के लिए कानून और प्रशासन का सहारा लेना पड़े। दुर्भाग्य से यह आज के समय की कठोर वास्तविकता बनती जा रही है। बुढ़ापा अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। उम्र बढ़ने के साथ शरीर की क्षमताएं कम होने लगती हैं, बीमारियां बढ़ने लगती हैं और आय के स्रोत लगभग समाप्त हो जाते हैं। सेवानिवृत्ति के समय जो थोड़ी बहुत जमा-पूंजी होती है, वह बच्चों की पढ़ाई, शादी-ब्याह और मकान बनाने में खर्च हो जाती है। सरकारी नौकरी करने वालों को पेंशन मिल भी जाती है, लेकिन निजी क्षेत्र या छोटे व्यवसाय से जुड़े लोगों की स्थिति अधिक कठिन हो जाती है। ऐसे समय में यदि बच्चे ही माता-पिता की देखभाल न करें तो यह केवल पारिवारिक विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक अपराध की श्रेणी में आता है।

इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित "तेलंगाना कर्मचारी जवाबदेही और माता-पिता सहायता निगरानी विधेयक 2026" एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल के रूप में सामने आया है। इस विधेयक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यदि बच्चे अपने माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो उनके वेतन से एक निश्चित राशि काटकर माता-पिता को दी जाए। यह कानून सरकारी कर्मचारियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र के कर्मचारियों, सांसदों, विधायकों और स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों पर भी लागू होगा। इस प्रकार यह कानून केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी को कानूनी रूप देने का प्रयास है। हालांकि भारत में पहले से "माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007" मौजूद है, लेकिन तेलंगाना का यह नया विधेयक अधिक व्यापक, संवेदनात्मक और प्रभावी माना जा रहा है। इसमें प्रावधान है कि यदि बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो शिकायत मिलने पर उनके वेतन से पंद्रह प्रतिशत या दस हजार रुपये (जो भी कम हो) काटकर माता-पिता के खाते में जमा किए जाएंगे। शिकायत का निस्तारण जिला कलेक्टर द्वारा साठ दिनों के भीतर किया जाएगा और इसके लिए वरिष्ठ नागरिक आयोग का गठन भी किया जाएगा। इस कानून का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इसमें केवल जैविक माता-पिता ही नहीं, बल्कि सौतेले माता-पिता भी शिकायत कर सकते हैं।

यह कानून इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारतीय परिवार व्यवस्था तेजी से बदल रही है। संयुक्त परिवार टूटकर एकल परिवार में बदल चुके हैं और अब तो एक व्यक्ति परिवार की अवधारणा भी विकसित हो रही है। करियर की दौड़, आर्थिक दबाव, शहरी जीवनशैली, सुविधावाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती भावना ने परिवार की पारंपरिक संरचना को कमजोर किया है। कई बार माता-पिता को घर से निकालकर वृद्धाश्रम भेज दिया जाता है, और यदि घर में रख भी लिया जाए तो उन्हें उपेक्षा, तिरस्कार और मानसिक पीड़ा सहनी पड़ती है। उनकी दवाइयों, भोजन और देखभाल तक में लापरवाही बरती जाती है। ऐसी परिस्थितियों में यह प्रश्न उठता है कि क्या माता-पिता की सेवा केवल संस्कारों से सुनिश्चित की जा सकती है या इसके लिए कानून की भी आवश्यकता है? आदर्श स्थिति में तो संस्कार ही पर्याप्त होने चाहिए। भारतीय इतिहास और परंपरा में माता-पिता की सेवा के अनेक प्रेरक उदाहरण मिलते हैं। श्रवण कुमार का उदाहरण तो भारतीय संस्कृति में आदर्श पुत्र का प्रतीक बन चुका है, जिसने अपने अंधे माता-पिता को कंधे पर बैठाकर तीर्थ यात्रा करवाई। इसी प्रकार भगवान श्रीराम ने पिता के वचन को निभाने के लिए राजपाट छोड़कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल धार्मिक कथाएं नहीं, बल्कि भारतीय समाज की नैतिक संरचना के आदर्श हैं।

इतिहास में छत्रपति शिवाजी, महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद जैसे अनेक व्यक्तित्वों के जीवन में भी माता-पिता के प्रति गहरी श्रद्धा और सम्मान देखने को मिलता है। इससे स्पष्ट होता है कि माता-पिता के प्रति सम्मान और सेवा भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा रही है। लेकिन आज जब संस्कार कमजोर हो रहे हैं, तब समाज को कानून का सहारा लेना पड़ रहा है। लेकिन इस पूरे विषय को केवल एकतरफा दृष्टि से देखना भी उचित नहीं होगा। यह भी एक सच्चाई है कि कई बार माता-पिता भी बच्चों के प्रति अत्यधिक अनुशासन, नियंत्रण और अपेक्षाओं का दबाव बनाते हैं। वे चाहते हैं कि बच्चे हमेशा उनकी इच्छाओं के अनुसार ही जीवन जिएं, अपने निर्णय स्वयं न लें, विवाह, करियर, जीवनशैली हर चीज में माता-पिता की इच्छा सर्वोपरि रहे। कई बार माता-पिता बच्चों की निजी जिंदगी में अत्यधिक हस्तक्षेप करते हैं, जिससे परिवार में तनाव उत्पन्न होता है। ऐसी परिस्थितियों में बच्चों और माता-पिता के बीच दूरी बढ़ जाती है और पारिवारिक वातावरण तनावपूर्ण हो जाता है।

इसलिए समस्या का समाधान केवल कानून नहीं है, बल्कि परिवार के भीतर संतुलन, संवाद और समझ भी उतनी ही आवश्यक है। बच्चों को यह समझना चाहिए कि माता-पिता ने उनके लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया है, इसलिए बुढ़ापे में उनकी सेवा और सम्मान उनका नैतिक कर्तव्य है। वहीं माता-पिता को भी यह समझना चाहिए कि समय बदल गया है, नई पीढ़ी की जीवनशैली और सोच अलग है, इसलिए उन्हें बच्चों को समझने और उन्हें स्वतंत्रता देने की आवश्यकता है। वास्तव में परिवार एक संस्था है, जो प्रेम, त्याग, सम्मान और संवाद पर चलती है, न कि केवल अधिकार और अनुशासन पर। जहां केवल अधिकार होंगे, वहां टकराव होगा; जहां केवल त्याग होगा, वहां असंतुलन होगा; लेकिन जहां प्रेम और संतुलन होगा, वहां परिवार मजबूत होगा।

तेलंगाना का यह कानून एक महत्वपूर्ण पहल है, लेकिन यह अंतिम समाधान नहीं है। कानून बच्चों को माता-पिता का भरण-पोषण करने के लिए मजबूर कर सकता है, लेकिन वह प्रेम, सम्मान और संवेदना पैदा नहीं कर सकता। इसके लिए समाज में नैतिक शिक्षा, पारिवारिक संस्कार और सामाजिक जागरूकता की आवश्यकता है। स्कूलों में, सामाजिक संस्थाओं में और धार्मिक संगठनों में परिवार और बुजुर्गों के सम्मान की शिक्षा दी जानी चाहिए। आज "नया भारत" और "विकसित भारत" की बात की जा रही है, लेकिन केवल आर्थिक विकास ही पर्याप्त नहीं है। यदि समाज में बुजुर्ग असुरक्षित, उपेक्षित और अपमानित होंगे, तो विकास अधूरा रहेगा। वास्तविक विकास वही है जिसमें समाज का हर वर्ग-बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग सुरक्षित और सम्मानित जीवन जी सकें।

अतः आवश्यक है कि हम तीन स्तरों पर कार्य करें-पहला, सरकार और कानून बुजुर्गों की आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करें। दूसरा, समाज में माता-पिता के सम्मान और सेवा के संस्कार विकसित किए जाएं। तीसरा, परिवार के भीतर माता-पिता और बच्चों के बीच संतुलित और संवादपूर्ण संबंध स्थापित किए जाएं। यदि ये तीनों स्तर मजबूत हो जाएं, तो न केवल बुजुर्गों का जीवन सुरक्षित और सम्मानजनक होगा, बल्कि परिवार संस्था भी मजबूत होगी और समाज में मानवीय संवेदनाएं जीवित रहेंगी। निश्चिततौर पर कहा जा सकता है कि माता-पिता केवल परिवार का हिस्सा नहीं होते, वे परिवार की जड़ होते हैं। यदि जड़ कमजोर होगी, तो वृक्ष भी कमजोर होगा। इसलिए बुजुर्गों का सम्मान और सुरक्षा केवल एक पारिवारिक या कानूनी मुद्दा नहीं, बल्कि समाज की नैतिकता और सभ्यता की परीक्षा है। जो समाज अपने बुजुर्गों का सम्मान नहीं करता, वह कभी महान नहीं बन सकता।

बिहारशरीफ, नालंदा स्थित शीतला माता मंदिर में हुए हादसे से उभरते सवाल मांग रहे जवाब?

> ताजा मामला बिहार के अभागे जिला नालंदा का है जहां के मूल निवासी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अस्ताचलगामी राजनीतिक साम्राज्य के लिए शीतला माता मंदिर भगदड़ से उपजी टीस सालों तक लोगों को सालती रहेगी। उनके पास से गृह मंत्रालय क्या गया, उनका गृह जिला भी मानवीय आपदा का शिकार हो गया।

जब दुनियादारी से परेशान व्यक्ति ईश्वरीय आस्था की शरण में जाता है तो उसके बेचैन मन को असीम शांति मिलती है। फलस्वरूप वह नाना प्रकार के रोगों से प्रभावित होते रहने से बच जाता है। वहीं उसकी मनोकामनाएं रूपीं मन्नतें भाव मार्ग द्वारा सम्बन्धित हृदय को प्रभावित करते हुए द्रवित करती हैं, जिससे श्रद्धालु के मनोरथ पूरे हो जाते हैं। यही वजह है कि ईश्वरीय आस्था व विश्वास हर धर्म में किसी न किसी रूप में व्याप्त और सर्वव्यापी है।

यद्यपि, मौजूदा दौर में धर्म-कर्म को भी मुनाफे का धंधा बना दिया गया है। जहां अमीर मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण कसा हुआ है, वहीं गरीब मंदिरों की व्यवस्था भगवान भरोसे या मंदिर स्वयंसेवक के जरिए संचालित होते हैं। इनमें से कुछ मंदिरों में भारी भीड़ होती है, लेकिन स्थानीय सिविल प्रशासन की अदूरदर्शिता और पुलिस प्रशासन की लापरवाही से जब तब हादसे होते रहते हैं। लिहाजा सुव्यवस्था व सुशासन अक्सर सवालों के घेरे में रहते आये हैं।

ताजा मामला बिहार के अभागे जिला नालंदा का है जहां के मूल निवासी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अस्ताचलगामी राजनीतिक साम्राज्य के लिए शीतला माता मंदिर भगदड़ से उपजी टीस सालों तक लोगों को सालती रहेगी। उनके पास से गृह मंत्रालय क्या गया, उनका गृह जिला भी मानवीय आपदा का शिकार हो गया। उनका मन जरूर अफसोस करता होगा, यदि अपनी मिट्टी से थोड़ा सा भी प्यार बचा रह गया होगा तो!

गौरतलब है कि बिहार के नालंदा जिले के बिहारशरीफ स्थित शीतला माता मंदिर में 31 मार्च 2026 को चैत्र मास के अंतिम मंगलवार को भगदड़ मच गई, जिसमें 8-9 श्रद्धालुओं (ज्यादातर महिलाओं) की मौत हो गई और कई घायल हुए। बताया गया कि यह हादसा भारी भीड़, अपर्याप्त सुरक्षा और प्रबंधन की कमी के कारण हुआ। नीतिगत दृष्टि से यह घटना राज्य की भीड़ प्रबंधन व्यवस्था पर सवाल उठाती है। लिहाजा, स्थानीय पुलिस अधीक्षक ने लोकल थाना प्रभारी को कर्तव्य हीनता के आरोप में निलंबित कर दिया है।

इस गम्भीर हादसे के कारण के तौर पर मंदिर का छोटा होना, बैरिकेडिंग न होना और पुलिस की अनुपस्थिति से हुई धक्कामुक्की आदि बताया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि महावीर जयंती के संयोग से भीड़ बढ़ गई, लेकिन कोई पूर्व तैयारी नहीं की गई। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की गाइडलाइन का पालन न होने से हादसा हुआ, जो टलने योग्य था।

इस हादसे पर प्रशासनिक प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अफसोस जताया और मृतकों के परिजनों को 6 लाख रुपये मुआवजा घोषित किया और अधिकारियों को इसे अविलंब पीड़ितों को प्रदान करने के निर्देश दिए। दीपनगर थानाध्यक्ष को निलंबित किया गया तथा जांच शुरू हुई। क्योंकि विपक्ष ने इसे प्रशासनिक लापरवाही करार दिया।

इस हादसे के नीतिगत निहितार्थ निम्नलिखित हैं- पहला, यह घटना धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन नीति (SOP) को मजबूत करने की जरूरत बताती है, जैसे अतिरिक्त पुलिस तैनाती और सीसीटीवी बढ़ाना। दूसरा, बिहार में पूर्व हादसों (जैसे पटना 2012-14) के बावजूद दोहराई जाने वाली चूक से केंद्रीय स्तर पर एकरूप नीति की मांग तेज हो सकती है। इसलिए अन्य मंदिरों में सुरक्षा सख्ती इसका प्रत्यक्ष प्रभाव है।

यदि पिछले मंदिर भगदड़ हादसों से तुलना की जाए तो ऐसा करने पर शीतला माता हादसा भीड़ प्रबंधन की पुरानी कमियों को दोहराता दिखता है। बिहार में विशेष रूप से सावन या चैत्र जैसे उत्सवों पर ऐसी घटनाएं बार-बार हो रही हैं।

वहीं, प्रमुख हादसों की तुलना इस प्रकार है:- यदि हादसा, स्थान, तारीख, मौतें, मुख्य कारण और प्रतिक्रिया की बात की जाए तो इससे पूर्व बाबा सिद्धेश्वर मंदिर, जहानाबाद, में 7 अगस्त 2024 को हादसा हुआ, जो पुलिस लापरवाही और भारी भीड़ के चलते हुए थी। वहीं, गरीबनाथ मंदिर, मुजफ्फरपुर, में 13 अगस्त 2018 को हुए हादसे में 25 घायल हुए थे। क्योंकि सावन सोमवार पर जलाभिषेक के दौरान धक्कामुक्की हुई थी। वहीं, महाबोधि मंदिर/पटना दशहरा, पटना, में 3 अक्टूबर 2014 को हुए हादसे में 32 से ज्यादा लोग मर गए थे, क्योंकि तार गिरने की अफवाह से भगदड़ मची थी। वहीं पड़ोसी राज्य उत्तरप्रदेश में हाथरस सत्संग के दौरान जुलाई 2024 में हादसा हुआ जिसमें 121 लोग मारे गए क्योंकि भगदड़ सत्संग में मची थी। फिर मुख्य आरोपी गिरफ्तार हुए।

उपर्युक्त हादसों से जुड़ीं समानताएं और सबक यह हैं कि सभी मामलों में कारण भारी भीड़, अपर्याप्त सुरक्षा और अफवाहें रहीं। बिहार के हादसे छोटे मंदिरों में ज्यादा, जबकि यूपी जैसे राज्यों में बड़े आयोजनों पर हो ही जाते हैं, इसलिए नीतिगत रूप से SOP, CCTV और पूर्व चेतावनी प्रणाली की कमी उजागर होती है।

आपको यह पता होना चाहिए कि मंदिर भगदड़ रोकने के लिए NDMA दिशानिर्देशों और राज्य SOP का कड़ाई से पालन जरूरी है। ये उपाय पूर्व तैयारी, तकनीक और समन्वय पर आधारित हैं। वहीं पूर्व योजना के तहत भीड़ का अनुमान लगाकर ऑनलाइन पंजीकरण और समयबद्ध प्रवेश लागू करें। मास गेदरिंग प्लान बनाएं जिसमें आयोजक, पुलिस और NGO की भूमिका स्पष्ट हो। मॉक ड्रिल नियमित करें।

जहां तक भीड़ प्रबंधन की बात है तो प्रवेश-निकास द्वार अलग रखें, बैरिकेडिंग लगाएं और चौड़ी राहें सुनिश्चित करें। AI-CCTV, ड्रोन से रीयल-टाइम मॉनिटरिंग करें (6 व्यक्ति/वर्गमीटर पर अलर्ट)। पर्याप्त प्रशिक्षित पुलिस/स्वयंसेवक तैनात करें। वहीं, बुनियादी ढांचा जैसे आपातकालीन द्वार, अग्निशामक यंत्र, पानी/आराम सुविधाएं उपलब्ध रखें। संकेतक चिन्ह, PA सिस्टम से निर्देश दें और पार्किंग रोकें।वहीं, भविष्योन्मुखी कदम उठाते हुए DMA 2005 के तहत जिलों में मास गेदरिंग नीति लागू करें। भक्तों को जागरूकता दें किभीड़ में हाथ छाती से सटाकर खड़े रहें।वहीं, बिहार जैसे राज्यों में धार्मिक उत्सवों पर केंद्रीय फंडिंग से सुरक्षा मजबूत करें।

- कमलेश पांडेय

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

दुनिया भी कहे, 'नो किंग्स'

राष्ट्रपति ट्रंप अपने ही देश में बुरी तरह घिर गए हैं। उनके खिलाफ 'नो किंग्स' बैनर वाले विरोध-प्रदर्शन किए जा रहे हैं। सांसद भी सडक़ों पर उतर आए हैं। अमरीका के 50 राज्यों में 3500 से अधिक स्थानों पर करीब 80 लाख लोग सडक़ों पर आक्रोशित हैं और राष्ट्रपति ट्रंप का इस्तीफा मांग रहे हैं। ये विरोध-प्रदर्शन ट्रंप के अधिनायकवाद के खिलाफ हैं और ब्रिटेन, यूरोप तक फैल गए हैं। ईरान पर हमला अमरीका और इजरायल के शासनाध्यक्षों का तानाशाही किस्म का रवैया था। उनके तमाम मंसूबे अधूरे रहे हैं। युद्ध को एक महीना बीत चुका है। लगभग पूरी दुनिया हिल चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी का सर्वेक्षण है कि ईरान युद्ध से 4.5 करोड़ से अधिक लोग 'भुखमरी' के कगार पर हैं। अनुमानित डाटा है कि युद्ध में अभी तक 4500 से अधिक मौतें हो चुकी हैं, करीब 10 लाख लोग बेघर हो चुके हैं, वैश्विक जीडीपी के 2 फीसदी नीचे आने के खतरे सामने हैं। यदि अमरीका और इजरायल में जनता ट्रंप और नेतन्याहू का आक्रामक विरोध कर रही है, तो बिल्कुल लोकतांत्रिक कदम है। अमरीका सबसे प्राचीन लोकतंत्र है। बल्कि विरोध इतना तीखा और सटीक होना चाहिए कि दोनों नेता इस्तीफा देने को विवश हो जाएं। दोनों देशों के नेता 'कब्जेबाज' हैं, लिहाजा युद्ध को माध्यम बनाए हुए हैं। दोनों देशों में चुनाव होने हैं और वे निम्नतम लोकप्रियता के स्तर पर हैं। पेंटागन का आकलन है कि एक माह के युद्ध में ही अमरीका का करीब 30,000 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। आर्थिक विशेषज्ञ मान रहे हैं कि ईरान का भी 15-20 लाख करोड़ रुपए और खाड़ी देशों का करीब 2.5 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। राष्ट्रपति ट्रंप अब भी विमानवाहक युद्धपोत, मरीन कमांडो, सैनिक, विमान आदि ईरान की ओर भेज रहे हैं। बॉम्बर्स से बमबारी करवा रहे हैं। ईरान को 'कब्रिस्तान' बना दिया है। अब जमीनी युद्ध की भी संभावनाएं हैं।

अमरीका और इजरायल ने एक माह की अवधि में ईरान पर 10,000 से अधिक हमले (प्रति) कर उसके 66 फीसदी सैन्य ठिकानों को नष्ट कर दिया है। आखिर मिसाइल, ड्रोन कितने बचे होंगे? और ईरान कब तक उनके सहारे युद्ध लड़ता रहेगा? यह बेहद चिंतित सवाल है। 'मन की बात' में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि युद्ध से विश्व के सामने ऊर्जा-संकट पैदा हो गया है, जो लगातार गहराता जा रहा है। मुद्रास्फीति और सप्लाई चेन की अवरुद्धता ने दुनिया को झटके दिए हैं। ट्रंप की इस तानाशाही और वैश्विक गुंडागर्दी को क्यों सहन किया जा रहा है? यूरोप, एशिया (भारत, जापान, चीन, दक्षिण कोरिया आदि समेत), अफ्रीका, लैटिन अमरीका और जो देश ईरान युद्ध से पिसे, कुचले जा रहे हैं, वे संयुक्त राष्ट्र में जाएं और ट्रंप के खिलाफ आंदोलन करें। अब प्रस्ताव पारित कराने का वक्त निकल चुका है। देशों को आक्रामक होना होगा, लेकिन अहिंसक आंदोलन करना होगा। यह कूटनीति या राजनीति अथवा अमरीका के साथ संबंधों वक्त नहीं है, बल्कि विश्व के अस्तित्व का सवाल है। विरोध देश का नहीं, राष्ट्रपति ट्रंप का करना है। भारतीय विशेषज्ञ मान रहे हैं कि हमारी तेल-गैस की आपूर्ति लगातार कम हो रही है और खपत जस की तस है। हमारी जरूरत 20 की है, लेकिन सप्लाई 10 की ही हो रही है। साफ है कि कमी बढ़ती रहेगी, तो अंततः एक विकराल संकट सामने खड़ा हो सकता है। चूंकि खाड़ी देशों में तेल-गैस ठिकानों को व्यापक स्तर पर तबाह किया गया है, आग ने सब कुछ खाक कर दिया है, लिहाजा यह तय है कि आगामी 4-5 साल तक आपूर्ति वैसी नहीं रहेगी, जैसी युद्ध से पहले थी। भारत के लिए मध्य-पूर्व ही सबसे मुफीद क्षेत्र है, जहां से तेल-गैस का आयात 2-4 दिन में ही संभव है।

टेक्नोलॉजी

फोन की स्लो स्पीड से परेशान? इन ऐप्स को कर लिया मैनेज तो रॉकेट जैसा हो जाएगा फास्ट

लंबे समय तक यूज करने के बाद Android फोन की स्पीड स्लो हो जाती है. स्लो फोन को चलाना बहुत झुंझलाहट भरा हो सकता है. ऐसे फोन में ऐप्स ओपन में ज्यादा समय लेती है और कई बार काम करते-करते स्क्रीन एकदम फ्रीज हो जाती है. ऐसी स्थिति में लोग फोन बदलने की सोच लेते हैं. अगर आप भी Phone Speed Issue का सामना कर रहे हैं तो हम इसका समाधान बताने जा रहे हैं. दरअसल, फोन में इंस्टॉल कई ऐप्स ज्यादा रिसोर्सेस का यूज करती हैं, जिससे फोन का प्रोसेसर और दूसरे पार्ट्स लगातार बिजी रहते हैं और फोन अटकने लगता है. इन ऐप्स को मैनेज कर फोन की स्पीड रॉकेट जैसी फास्ट की जा सकती है.

सोशल मीडिया ऐप्स- सोशल मीडिया ऐप्स आपके फोन के सबसे ज्यादा रिसोर्स यूज करती हैं. भले ही आप इन्हें यूज नहीं कर रहे हैं, लेकिन ये ऐप्स कभी आराम नहीं करतीं. ये लगातार सर्वर से सिंक होती रहती हैं. इन ऐप्स के कारण फोन के सर्वर से लेकर बैटरी तक कई पार्ट्स लगातार बिजी रहते हैं, जिससे फोन की स्पीड पर असर पड़ता है. इनकी बैकग्राउंड एक्टिविटी को मैनेज कर आप अच्छी स्पीड पा सकते हैं.

Google Maps- अगर आप किसी सफर पर जा रहे हैं और आपने गूगल मैप्स को ऑन कर लिया तो यह फोन की स्पीड को स्लो कर सकती है. गूगल मैप्स भले ही सोशल मीडिया ऐप्स की तुलना में कम डेटा यूज करती है, लेकिन लगातार GPS ट्रैकिंग, स्क्रीन-ऑन टाइम, रियल टाइम डेटा अपडेट्स और बैकग्राउंड सर्विसेस के कारण यह बैटरी और प्रोसेसर को ज्यादा यूज करती है.

Spotify- अगर आप म्यूजिक स्ट्रीमिंग के लिए Spotify यूज करते हैं तो यह भी आपके फोन के रिसोर्सेस पर लोड डालती है. यूजर को स्मूद प्लेबैक देने के लिए यह लगातार बैकग्राउंड सर्विसेस का यूज करती है. लोडिंग टाइम और ऑफलाइन लिसनिंग के लिए यह कंटेंट के Cache कर लेती है. लंबे समय के बाद यह cached data बढ़कर फोन की स्टोरेज को घेरने लगता है. अगर स्टोरेज फुल हो गई तो फोन की स्पीड स्लो होना तय है.

Google Photos- सभी मॉडर्न एंड्रॉयड फोन में यह ऐप प्री-इंस्टॉल्ड आती है. इसके फीचर्स को देखते हुए लोग इसे खूब यूज भी करते हैं, लेकिन यह भूल जाते हैं कि यह डिवाइस को स्लो भी कर सकती है. दरअसल, यह ऐप लगातार बैकअप और सिंकिंग में लगी रहती है. इससे CPU और नेटवर्क रिसोर्स यूज होते हैं, जिससे हीट जनरेट होने से डिवाइस स्लो हो सकता है.

जनरल नॉलेज

महंगा हो रहा क्रूड ऑयल! जानें दुनिया में पहली बार कब आई आर्थिक मंदी, तब कौन-से देश हुए थे तबाह?

दुनिया के बाजार एक बार फिर से तनाव में हैं. डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर हाल ही में जो चेतावनी दी है उससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार में हलचल मच गई है. कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ गई हैं. क्रूड ऑयल 106 डॉलर प्रति बैरल के निशान को पार कर चुका है. इससे महंगाई और दुनिया भर में आर्थिक मंदी की आशंकाएं बन गई हैं. इसी बीच आइए जानते हैं इतिहास की अब तक की सबसे भयानक आर्थिक महामंदी के बारे में.

पहली वैश्विक मंदी कब और कहां शुरू हुई थी? - महामंदी की शुरुआत 1929 में संयुक्त राज्य अमेरिका में हुई थी और यह तेजी से पूरी दुनिया में फैल गई. इसका सबसे बड़ा मोड़ 29 अक्टूबर 1929 को आया. इसे ब्लैक ट्यूसडे के नाम से जाना जाता है. इस दिन अमेरिका का शेयर बाजार बुरी तरह से गिर गया. इसके बाद कुछ ही घंटे में अरबों डॉलर डूब गए और निवेशकों में घबराहट फैल गई. जो शुरुआत में एक वित्तीय संकट के तौर पर शुरू हुआ था जल्द ही एक बड़े आर्थिक संकट में बदल गया. यह आर्थिक संकट एक दशक तक चला.

संयुक्त राज्य अमेरिका से हुई शुरुआत - इस संकट की शुरुआत अमेरिका से हुई थी. इस वजह से उसे ही इसका सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा. देश की जीडीपी में लगभग 30% की गिरावट देखने को मिली और बेरोजगारी बढ़कर लगभग 25% तक पहुंच गई. हजारों बैंक डूब गए. इस वजह से लोगों की जमापूंजी भी खत्म हो गई और कारोबार तबाह हो गया. यह आर्थिक झटका इतना गहरा था कि इसने आने वाले कई दशकों तक अमेरिका की वित्तीय नीतियों को पूरी तरह से बदल दिया.

जर्मनी पर पड़ा असर - जर्मनी में हालात और भी ज्यादा खराब थे. पहले ही प्रथम विश्व युद्ध के बाद मुश्किलों का सामना कर रही जर्मनी की अर्थव्यवस्था इस महामंदी के बोझ तले पूरी तरह से ढह गई. भारी बेरोजगारी और गरीबी की वजह से देश भर में अशांति फैल गई. इस अस्थिरता ने एडोल्फ हिटलर और नाजी पार्टी के उदय में एक बड़ी भूमिका निभाई.

ब्रिटेन को हुआ भारी नुकसान - ब्रिटेन को अपने एक्सपोर्ट में भारी गिरावट का सामना करना पड़ा. ऐसा इसलिए क्योंकि दुनिया भर में उत्पादों की मांग पूरी तरह से खत्म हो गई थी. औद्योगिक उत्पादन धीमा पड़ गया और बेरोजगारी तेजी से बढ़ गई. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर काफी ज्यादा निर्भर होने की वजह से ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को लंबे समय तक ठहराव का सामना करना पड़ा.

कनाडा और ऑस्ट्रेलिया पर असर - कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश मुख्य रूप से कृषि उत्पादों और कच्चे माल के एक्सपोर्ट पर निर्भर थे. जब दुनिया भर में इन चीजों की कीमतें 60% तक गिर गईं तो इन देशों की अर्थव्यवस्था को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा. किसानों को भारी घाटा हुआ और ग्रामीण इलाकों में रहने वाले पूरे के पूरे समुदाय अपनी रोजी-रोटी के लिए संघर्ष करने लगे.

क्या थी भारत की स्थिति? - भारत उस वक्त ब्रिटिश शासन के अधीन था. इसका असर मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में महसूस किया गया.

बंगाल चुनाव : बड़े चेहरे के भरोसे खाता खोलने की कोशिश में कांग्रेस, उत्तर मालदा-दिनाजपुर पर फोकस

सिलीगुड़ी, एजेंसी। बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी ने देर से ही सही उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। उत्तर बंगाल की 54 विधानसभा सीटों में से 53 पर कांग्रेस ने एक साथ उम्मीदवार घोषित कर दिए। खास बात यह है कि पार्टी ने कई बड़े नाम को चुनाव मैदान में उतार दिया है और इन्हीं के दम पर मालदा और उत्तर दिनाजपुर जिले में कुछ सीट पाना चाहती है। मौसम बेनजीर नूर, मोहित सेनगुप्ता आदि इन्हीं बड़े नामों में शामिल हैं। दरअसल भाजपा, तृणमूल कांग्रेस और वामपंथी दलों ने अपने उम्मीदवारों की सूची पहले ही घोषित कर दी थी। कांग्रेस मामले में काफी पीछे रह गई थी। नामांकन की प्रक्रिया शुरू होने से महज एक दिन पहले कांग्रेस ने एक झटके में पूरे राज्य में 294 में से 284 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी। 2021 के चुनाव में बंगाल में कांग्रेस को एक भी

सीट नहीं मिली थी। लेकिन इस बार कांग्रेस खासतौर पर उत्तर बंगाल में मालदा और उत्तर दिनाजपुर जिलों से सीट जीतने की उम्मीद कर रही है। इन दो जिलों में कांग्रेस के कार्यकर्ता अन्य जिलों की तुलना में अभी भी काफी सक्रिय हैं। यहां पार्टी भाजपा और तृणमूल को चुनौती देने की स्थिति में दिख रही है।मालदा जिले की मालतीपुर सीट से कांग्रेस ने पूर्व सांसद मौसम बेनजीर नूर को टिकट दिया है। मौसम नूर हाल ही में तृणमूल कांग्रेस से कांग्रेस में वापस लौटी हैं। वे गनी खान चौधरी परिवार से जुड़ी हैं जो मालदा में कांग्रेस का परंपरागत आधार रहा है। यहां तृणमूल ने अपने मौजूदा विधायक अब्दुर रहीम बक्सी को टिकट दिया है। भाजपा ने आशीष दास और वाम मोर्चा ने मनिरूल हुसैन को मैदान में उतारा है। चाकुलिया सीट से कांग्रेस ने पूर्व विधायक अली इमरान रमज उर्फ विक्टर को उम्मीदवार बनाया है। तृणमूल ने मिन्हाजुल अरफिन आजाद, भाजपा ने मनोज जैन और वाम ने अमजद अली को टिकट दिया है। रायगंज से कांग्रेस ने पूर्व नगर पालिका चेयरमैन मोहित सेनगुप्ता को मौका दिया है। यहां तृणमूल ने पूर्व विधायक कृष्णा कल्याणी, भाजपा ने कौशिक चौधरी और वाममोर्चा ने जीवनंदा सिंबा को टिकट दिया है।

कहीं अब्दुल करीम न उतर जाएं मैदान में : इस्लामपुर सीट पर कांग्रेस ने अभी तक कोई उम्मीदवार घोषित नहीं किया है। तृणमूल ने यहां कन्हैयालाल अग्रवाल को टिकट दिया है, भाजपा ने चित्रजीत राय और वाममोर्चा ने शमिक खान को उतारा है। कार्यकर्ताओं और राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि कांग्रेस इस्लामपुर से किसी दिग्गज नेता को टिकट देकर चौंकाने वाली घोषणा कर सकती है।

वर्तमान में यहां 11 बार के विधायक रहे तृणमूल के वरिष्ठ नेता 80 वर्षीय अब्दुल करीम चौधरी को टिकट नहीं मिला है। वह लंबे समय से क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं लेकिन उम्र को लेकर तृणमूल ने उन्हें ड्राप कर दिया। अब्दुल करीम फिलहाल शहर से बाहर हैं और उनकी अनुपस्थिति में उनके समर्थकों में नाराजगी है। राजनीतिक हलकों में हर किसी की नजर इस पर है कि उनका अगला कदम क्या होगा। वह निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे या कोई और रास्ता चुनेंगे। ऐसा भी हो सकता है कि कांग्रेस उनको टिकट दे।

गुरुग्राम के इफको चौक पर आधी रात को महिला से लूटपाट, ऑटो ड्राइवर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

गुरुग्राम, एजेंसी। सेक्टर-17/18 थाना क्षेत्र के अंतर्गत इफ्को चौक से आधी रात आटो में बैठी महिला सवारी के साथ चालक ने लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपित आटो चालक को गिरफ्तार कर लिया। उसकी पहचान पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के गांव सरकारपाड़ा निवासी ताजिर के रूप में हुई है। आरोपित के कब्जे से लूटा गया सामान और वारदात में प्रयोग किया आटो भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार एक महिला ने शिकायत दी थी कि सोमवार रात करीब 2:30 बजे वह इफ्को चौक से सेक्टर-38 जाने के लिए आटो में बैठी थी। रास्ते में चालक ने उसका मुंह दबाकर उसकी ज्वेलरी, हाथ की घड़ी, ब्रेसलेट और अन्य सामान छीन लिया और उसे आटो से धक्का देकर फरार हो गया। शिकायत के आधार पर सेक्टर-17/18 थाना में मामला दर्ज किया गया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपित ताजिर को सेक्टर-50 क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपित ने महिला को अकेला देखकर लालच में वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

इंदिरापुरम के न्यायखंड में चार दिन से नहीं हुई पेयजल आपूर्ति, चार दिन से पैनल खराब; ठप पड़ी व्यवस्था

साहिबाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद के साहिबाबाद स्थित इंदिरापुरम के न्यायखंड-दो में पंप के पैनल में खराबी होने के चलते चार दिन से पेयजल आपूर्ति ठप पड़ी है। लोगों का आरोप है कि शनिवार से घरों में पानी नहीं आ रहा है। नगर निगम में जानकारी करने पर पैनल खराब होने का पता चला। चार दिन से पानी न मिलने के कारण परेशानियों का सामना लोगों को करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी सुनीता ने बताया कि पानी न मिलने की शिकायत नगर निगम अधिकारियों से की। इसके बाद जलकल विभाग ने पैनल को ठीक कराया लेकिन यह फिर खराब हो गया। मंगलवार तक पैनल को ठीक नहीं कराया जा सका है। इस समस्या पर आरडब्ल्यूए ने नगर आयुक्त को पत्र लिखकर समस्या के निस्तारण की मांग की है। जलकल विभाग के अवर अभियंता मयंक मिश्रा ने बताया कि पैनल खराब होने के चलते समस्या हो रही है। इसे ठीक भी कराया गया लेकिन बाद में केबल फुंक गई। टीमों को इसमें लगाया गया है। जल्द ही समस्या का निस्तारण कराया जाएगा।

दिल्ली में 30 लाख की कीमत की हेरोइन के साथ महिला तस्कर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य जिले की स्पेशल स्टाफ की टीम ने ड्रग्स की तस्करी में शामिल एक महिला को गिरफ्तार किया है। इसके कब्जे से 30 लाख की कीमत की 290 ग्राम हेरोइन बरामद हुई है। इसके अलावा महिला के कब्जे से ड्रग्स बेचकर कमाए गए 3,420 नकद और एक वजन तौलने वाली मशीन जब्त की है। आरोपित महिला की पहचान किशनगढ़ की मंजू के रूप में हुई है। पुलिस इससे पूछताछ कर बरामद ड्रग्स के मुख्य स्रोत और गिरोह में शामिल अन्य आरोपितों की तलाश में जुटी है। उपायुक्त रोहित राजबीर सिंह के मुताबिक, 29 मार्च को टीम को एक मुखबिर से पक्की जानकारी मिली कि किशनगंज इलाके में रेलवे लाइन के किनारे एक झुग्गी के पास एक महिला हेरोइन बेच रही है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए स्पेशल स्टाफ के इंस्पेक्टर रोहित कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने बताई गई जगह पर जाल बिछाया। थोड़ी देर बाद रेलवे लाइन के पास बैठी एक महिला की पहचान के बाद आरोपित महिला को पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसकी पहचान मंजू के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके पास से कुल 290 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पूछताछ में आरोपित महिला ने बताया कि कालू नाम का एक आदमी, जो अभी जेल में है, पहले उसे रेलवे ट्रैक पर हेरोइन सप्लाई करता था और अब उसकी पत्नी ने यह काम संभाल लिया है और हेरोइन सप्लाई कर रही है।

हिमाचल में कई बड़े बदलाव, दूध के दाम बढ़े और बिजली हुई सस्ती; आपकी जेब पर क्या असर पड़ेगा

शिमला, एजेंसी। हिमाचल में नए वित्त वर्ष के आगाज के साथ कई बड़े बदलाव होने जो रहे हैं। अब मुख्यमंत्री को अप्रैल से आधा वेतन मिलेगा। बुधवार से शुरू होने वाले नए वित्तीय वर्ष से इसे लागू किया जा रहा है। मुख्यमंत्री सिर्फ 50 प्रतिशत वेतन ही लेंगे। उपमुख्यमंत्री सहित मंत्रियों को छह माह के लिए 30 और विधायकों को 20 प्रतिशत तक कम वेतन मिलेगा। बोर्ड और निगम के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष सहित सलाहकारों का वेतन भी 20 प्रतिशत स्थगित रहेगा। आईपीएस, आईएफएस व आईएएस का वेतन 30 और अन्य अधिकारियों का 20 प्रतिशत तक स्थगित रहेगा।

ग्रुप ए और बी अधिकारियों के वेतन का तीन प्रतिशत हिस्सा भी छह माह के लिए स्थगित रहेगा। सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्राकृतिक खेती से जुड़े उत्पादों के एमएसपी में बढ़ोतरी की है। गेहूं, मक्का व अन्य फसलों का एमएसपी बढ़ाया है। हल्दी का एमएसपी 150 रुपये प्रति किलो किया है। अदरक का

एमएसपी 30 रुपये तय किया है। गाय का दूध 61 व भैंस का 71 रुपये प्रति किलो की दर से सरकार खरीद करेगी। अस्थायी कर्मचारियों का मानदेय व दैनिक दिहाड़ी भी बढ़ जाएगी। हालांकि इसके आदेश अलग से जारी होंगे लेकिन यह पहली अप्रैल से देय होंगे। प्रदेश में अब दिहाड़ी 450 रुपये प्रतिदिन मिलेगी। इसके अलावा जितनी भी श्रेणियां अस्थायी कर्मचारियों की हैं उन सभी का मानदेय भी बढ़ जाएगा।

घरेलू उपभोक्ताओं को एक पैसा प्रति यूनिट सस्ती बिजली : घरेलू उपभोक्ताओं को बुधवार से एक पैसा प्रति यूनिट बिजली सस्ती मिलेगी। हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत नियामक आयोग का नया टैरिफ बुधवार से लागू होगा। ये कटौती घरेलू से औद्योगिक सभी पर लागू होगी।

प्रदेश के अति निर्धन परिवारों को सरकार 300 यूनिट निःशुल्क बिजली भी देगी। पहली अप्रैल से प्रदेश में शराब की नई दरें लागू होंगी। इससे संभवतः शराब महंगी हो जाएगी। हिमाचल में ठेकों की नीलामी नए सिरे से की गई है। ऐसे में शराब की नई दरें बुधवार से लागू होंगी।

बीपीएल परिवार की बेटी को शादी पर मिलेंगे 51000 रुपये

बीपीएल परिवार और मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत 21 वर्ष से अधिक आयु की बालिकाओं के विवाह पर सरकार 51 हजार रुपये की वित्तीय सहायता करेगी। इसके लिए शुभ विवाह योजना शुरू करने की घोषणा मुख्यमंत्री ने बजट में की है। एचआरटीसी बसों में पहली अप्रैल से हिम बस कार्ड को लागू कर दिया है। हिम बस कार्ड न होने पर महिलाओं का पूरा किराया लगेगा। सरकार ने स्कूली बच्चों को फिलहाल राहत दी है।

निगम प्रबंधन ने 31 मई तक स्कूली बच्चों को छूट दी है। 31 मई तक जमा दो कक्षा तक के बच्चों को बिना हिम बस कार्ड एचआरटीसी बसों में निःशुल्क सेवा मिलती रहेगी। निगम इस मामले को निदेशक मंडल की बैठक में रखेगा। निगम ने 31 मार्च तक बिना हिम बस कार्ड यात्रा पर छूट दी थी। अभी तक 1.70 लाख हिम बस कार्ड बन चुके हैं। कार्ड बनने जारी रहेंगे। निगम प्रबंधन ने परिचालकों को दिशानिर्देश जारी कर दिए हैं। निगम प्रबंधन ने फाइल उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री को भेजी थी। मंगलवार देर शाम इस संबंध आदेश जारी हुए।

स्कूल चलो अभियान : सजाए गए स्कूल, तिलक लगाकर किया गया बच्चों का स्वागत; पहले दिन मिला मिड डे मील

गाजियाबाद, एजेंसी। परिषदीय विद्यालयों में एक अप्रैल से नया सत्र के साथ स्कूल चलो अभियान भी शुरू हो जाएगा। विद्यालयों को फूलों एवं गुब्बारों से सजाया गया। सत्र के पहले दिन बच्चों का तिलक लगाकर स्कूल में स्वागत किया गया। सत्र के पहले दिन विद्यालयों में जागरूकता के लिए विभिन्न एक्टिविटी कराई जाएंगी। वहीं विद्यालयों में बच्चों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संबोधन का लाइव प्रसारण दिखाया जाएगा। सत्र के पहले दिन बच्चों को रुचिकर पकवान मध्याह्न भोजन में खिलाए जाएंगे। अभियान को लेकर शिक्षा विभाग का मुख्य कार्यक्रम कंपोजिट विद्यालय करहेड़ा मोहननगर में होगा। सुबह 10 बजे कार्यक्रम शुरू होगा। बच्चों एवं अभिभावकों को मुख्यमंत्री के संबोधन का लाइव प्रसारण दिखाया जाएगा। इसके बाद जन-सामान्य में इसकी जागरूकता के लिए स्कूल चलो जागरूकता रैली निकाली जाएगी। बाकी विद्यालयों में भी बच्चों को मुख्यमंत्री के संबोधन का लाइव प्रसारण दिखाया जाएगा और जागरूकता रैली निकाली जाएगी। हालांकि जिले में अभी तक विद्यार्थियों को परीक्षा परिणाम नहीं मिला है। कुछ विद्यालयों में एक अप्रैल यानी बुधवार को तो रिपोर्ट कार्ड का वितरण भी किया जाएगा। बीएसए ओपी यादव का कहना है कि शासनादेशानुसार स्कूल चलो अभियान की शुरुआत की जाएगी।

अमेरिकी सैनिक दो-तीन हफ्ते में ईरान छोड़ेंग एक माह से जारी जंग के बीच ट्रंप का बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-ब-दिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी इस्राइल और खाड़ी देशों में मैजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब अपने 33वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव अब भी चरम पर है। इसी उग्र हालात के बीच अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि ईरान में चल रहा अमेरिकी सैन्य ऑपरेशन बहुत जल्द खत्म कर दिया जाएगा। अपने बयान में ट्रंप ने आगे कहा कि अगले दो से तीन हफ्तों के अंदर

अमेरिकी सेना वहां से निकल सकती है। ट्रंप ने कहा कि स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज से तेल और गैस लेने वाली अन्य देशों जैसे फ्रांस या चीन को अब खुद संभालना होगा। अमेरिका वहां किसी और चीज में शामिल नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने कट्टर और खतरनाक' लोगों को नष्ट कर दिया और क्षेत्र अब अपेक्षाकृत सुरक्षित है।तेल की बढ़ती कीमतों पर क्या बोले ट्रंपव्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने कहा कि उनकी सरकार ईरान के साथ बातचीत भी कर रही है, लेकिन साथ ही सैन्य कार्रवाई भी जारी है।

यह युद्ध ईस्टर से पहले समाप्त हो सकता है पश्चिम एशिया संकट पर बोले पोप

वेटिकन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में अमेरिका और इस्राइल का ईरान के साथ युद्ध लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे क्षेत्र में संघर्ष और तनाव चरम पर है। इसी बीच पोप लियो 14वें ने मंगलवार को रोम के बाहर कैस्टेल गैंडोल्फो से लौटते हुए पत्रकारों से बातचीत में उम्मीद जताई कि यह संघर्ष ईस्टर से पहले समाप्त हो सकता है। पोप ने कहा कि हिंसा और बमबारी को कम करने का कोई रास्ता खोजा जाना चाहिए, ताकि नफरत और मौतों को रोका जा सके और दिलों में शांति लौट सके। पोप ने कहा कि उन्हें बताया गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कहा है कि वे युद्ध को समाप्त करना चाहते हैं।

पोप ने कहा कि मैं आशा करता हूं कि वे हिंसा और बमबारी को कम करने का रास्ता ढूंढ रहे होंगे, जो पश्चिम एशिया और अन्य जगहों पर बढ़ते नफरत को कम करने में मदद करेगा।पोप ने वैश्विक नेताओं से की ये अपीलपोप ने सभी विश्व नेताओं से संवाद की ओर लौटने और हिंसा कम करने के उपाय खोजने की अपील की, ताकि ईस्टर पर हमारे दिलों में शांति बनी रहे। उन्होंने कहा कि ईस्टर का समय शांति और ध्यान का समय होना चाहिए,

लेकिन दुनिया के कई हिस्सों में लोग अब भी हिंसा और युद्ध फैलाने में लगे हैं, जिसमें निर्दोष बच्चों की मौतें भी शामिल हैं।लियो ने पाम संडे के अवसर पर की प्रार्थनापोप लियो ने पाम संडे के अवसर पर विशेष रूप से पश्चिम एशिया के ईसाइयों के लिए प्रार्थना की और कहा कि जो लोग युद्ध करते हैं या धर्म का उपयोग हिंसा का औचित्य बनाने के लिए करते हैं ।

एसआईटी ने ढोंगी बाबा खरात के बेटे को हिरासत में लिया, पत्नी की तलाश जारी

नासिक, एजेंसी। दुष्कर्म के आरोपित ढोंगी बाबा अशोक खरात के खिलाफ जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआइटी) ने मंगलवार को पूछताछ के लिए उसके बेटे को नासिक से हिरासत में लिया। नासिक के सरकारवाड़ा पुलिस स्टेशन में खरात के खिलाफ लगभग 10 एफआईआर दर्ज की गई हैं, जिसमें से आठ यौन उत्पीड़न और दो धोखाधड़ी से संबंधित हैं। एसआइटी को फोन पर उसके खिलाफ 100 से अधिक शिकायतें मिली हैं।एसआइटी की एक टीम यहां कर्मयोगी नगर स्थित खरात के घर पहुंची और उसके बेटे हर्षवर्धन को हिरासत में ले लिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, उससे पूछताछ की जाएगी। जांचकर्ता खरात की पत्नी कल्पना का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। खरात की पुलिस हिरासत बुधवार को समाप्त हो जाएगी। इसके बाद उसे स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि पड़ोसी अहिल्यानगर जिले में पुलिस ने मंगलवार को खरात की पत्नी समेत पांच लोगों के खिलाफ एक भूस्वामी से चार करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। शिरडी के मंदिर नगर में पुलिस ने इस संबंध में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। अधिकारी के अनुसार, शिरडी के एक भूस्वामी ने खरात की पत्नी से चार एकड़ जमीन के बदले 5.52 करोड़ रुपये का ऋण लिया था। उसने लगभग 1.5 करोड़ रुपये चुका दिए थे, लेकिन खरात ने कथित तौर पर जमीन हड़पने की कोशिश की। इसके बाद भूस्वामी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपितों की पहचान अरविंद बावके और किरण सोनावाने के रूप में हुई है। अन्य आरोपितों की तलाश जारी है।

मंगल पर था भरपूर पानी, धूल भरी आंधियों ने अंतरिक्ष में उड़ा दिया

टोक्यो/सेन्दाई, एजेंसी। कभी जलसमृद्ध रहा मंगल आज सूखा मरुस्थल क्यों बन गया, इस लंबे समय से अनसुलझे सवाल पर नई रोशनी डालते हुए वैज्ञानिकों ने पाया है कि छोटे, स्थानीय धूलभरे-तूफान भी ग्रह के पानी को अंतरिक्ष में उड़ाने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। तोहोकू यूनिवर्सिटी समेत अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं की टीम के इस अध्ययन में सामने आया है कि ये तूफान जलवाष्प को ऊपरी वायुमंडल तक पहुंचाकर उसे तोड़ देते हैं, जिससे हाइड्रोजन अंतरिक्ष में निकल जाता है और पानी स्थायी रूप से खत्म होता जाता है। वैज्ञानिकों के अनुसार आज का मंगल एक ठंडा और सूखा ग्रह है, लेकिन इसकी सतह पर मौजूद प्राचीन जलधाराएं, पानी से बदले खनिज और अन्य भूगर्भीय संकेत बताते हैं कि कभी यहां प्रचुर मात्रा में पानी मौजूद था। वैज्ञानिक लंबे समय से यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर यह पानी कहां और कैसे गायब हो गया। हालांकि कुछ प्रक्रियाएं पहचानी जा चुकी हैं,

लेकिन मंगल के गायब पानी का बड़ा हिस्सा अब भी एक पहेली बना हुआ है। कम्युनिकेशंस अर्थ एंड एनवायरनमेंट जर्नल में प्रकाशित इस नए अंतरराष्ट्रीय अध्ययन ने इस रहस्य को सुलझाने की दिशा में महत्वपूर्ण संकेत दिए हैं।झ शोध में पाया गया कि अपेक्षाकृत छोटे और स्थानीय धूल-तूफान भी मंगल के उत्तरी गोलार्ध की गर्मियों के दौरान जलवाष्प को वायुमंडल में काफी ऊंचाई तक पहुंचा सकते हैं।मार्टियन वर्ष 37 में असामान्य उछालवैज्ञानिकों ने मार्टियन वर्ष 37 (पृथ्वी के 2022-2023) के दौरान एक असामान्य स्थानीय धूल-तूफान का अध्ययन किया। इस दौरान मंगल के मध्य वायुमंडल में जलवाष्प की मात्रा सामान्य स्तर से लगभग दस गुना तक बढ़ गई।

इतनी अधिक वृद्धि पहले कभी दर्ज नहीं की गई थी और मौजूदा जलवायु मॉडल भी इसकी भविष्यवाणी नहीं कर पाए थे। हाइड्रोजन का बढ़ना पानी के नुकसान का सीधा संकेत है। जलवाष्प के ऊंचाई तक पहुंचने के बाद वैज्ञानिकों ने एक्सोबेस, जहां से मंगल का वायुमंडल अंतरिक्ष में बदलने लगता है,पर हाइड्रोजन की मात्रा में तेज वृद्धि दर्ज की। यह स्तर सामान्य से 2.5 गुना अधिक था

।कई अंतरिक्ष मिशनों के डाटा से खुला राजयह अध्ययन कई अंतरराष्ट्रीय मंगल मिशनों से जुटाए गए आंकड़ों पर आधारित है।

इनमें यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के एक्सोमार्स मिशन का ट्रेस गैस ऑर्बिटर (टीजीओ) और उसका नोमैड उपकरण, नासा का मार्स रिकॉनिसेंस ऑर्बिटर (एमआरओ) और एमिरेट्स मार्स मिशन (ईएमएम) शामिल हैं। ये सभी यान फिलहाल मंगल की कक्षा में सक्रिय हैं और लगातार डेटा भेज रहे हैं। यह अध्ययन संकेत देता है कि मंगल से पानी का नुकसान केवल बड़े वैश्विक तूफानों तक सीमित नहीं है, बल्कि छोटे और स्थानीय धूल-तूफान भी इस प्रक्रिया को तेज कर सकते हैं। इससे वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद मिलेगी कि कैसे एक समय का जलसमृद्ध ग्रह धीरे-धीरे सूखे और निर्जीव मरुस्थल में बदल गया।

ईरान युद्ध में शामिल होने की तैयारी में यूएई; यमन सेइस्राइल पर फिर हुआ

वेटिकन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में एक महीने से ज्यादा समय से चल रहे संघर्ष में हालात अब विस्फोटक और बेकाबू हो चुके हैं। इस्राइल और अमेरिका का ईरान के साथ जारी भीषण टकराव अब अपने 33वें दिन में प्रवेश कर चुका है और हालात ज्यादा खतरनाक रूप ले चुका है। मिसाइलों की बारिश और लगातार धमाकों ने तबाही का मंजर खड़ा कर दिया है। यह युद्ध अब सीमाओं को तोड़कर वैश्विक खतरा बन गया है, जहां हर पल विनाश और अनिश्चितता का साया गहराता जा रहा है। इस्राइली मीडिया ने बताया कि यमन से इस्राइल पर एक मिसाइल दागी गई, जिसे इस्राइली सेना ने इंटरसेप्ट कर तबाह कर दिया। इस हमले में किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं हैं। इस हमले के चलते दक्षिणी इस्राइल में सायरनों की आवाज सुनी गई। यूएई की तीन एयरलाइंस ने ईरानी नागरिकों के प्रवेश और ट्रांजिट पर लगाई रोकयुद्ध के बीच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की तीन एयरलाइंस ने ईरानी नागरिकों के देश में प्रवेश और ट्रांजिट पर रोक लगा दी है।

पाकिस्तान भारोत्तोलन महासंघ के प्रमुख और कोच पर कैस ने डोपिंग के कारण आजीवन प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली, एजेंसी | खेल पंचाट के डोपिंग रोधी विभाग (कैस एडीडी) ने पाकिस्तान भारोत्तोलन महासंघ के निलंबित प्रमुख हाफिज इमरान बट और कोच इरफान बट पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया है। इन पर 2014 से 2016 के बीच देश के खिलाड़ियों को प्रतिबंधित पदार्थ देने में संलिप्त होने का आरोप है जिसमें नाबालिग भी शामिल हैं।

पाकिस्तानी भारोत्तोलक अबुबाकर गनी पर भी चार साल का प्रतिबंध लगाया गया है। उन्होंने डोप परीक्षण में विफल होने के बाद सफाई देने के लिए नकली चिकित्सा पर्चे जमा किए थे। ताशकंद में 2021 की विश्व चैंपियनशिप के दौरान गनी का परीक्षण प्रतिबंधित हार्मोन और मेटाबॉलिक मॉड्यूलेटर 'टैमोक्सीफेन मेटाबोलाइट' के लिए पॉजिटिव आया था।

हाफिज और इरफान को दोषी ठहराते हुए अपने फैसले कैस एडीडी ने कहा, ''ये दोनों लोग पाकिस्तानी खिलाड़ियों को प्रतिबंधित पदार्थ (स्टेरॉयड सहित) देने में सीधे तौर पर संलिप्त थे जिनमें नाबालिग भी शामिल हैं और उन्होंने पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर हुई डोपिंग में मुख्य भूमिका निभाई थी।'' उन्होंने कहा, ''उनके आचरण की प्रकृति और गंभीरता को देखते हुए दोनों पर सबसे लंबी अवधि का प्रतिबंध लगाया गया है जो कि आजीवन प्रतिबंध है।

इस प्रतिबंध के लागू होने के बाद हाफिज इमरान बट और औरइरफान बट दोनों को विश्व डोपिंग रोधी संहिता के किसी भी हस्ताक्षरकर्ता द्वारा अधिकृत या आयोजित किसी भी गतिविधि में किसी भी हैसियत से भाग लेने से रोक दिया जाएगा।'' हाफिज और इरफान दोनों को पिछले साल नवंबर में पाकिस्तान खेल बोर्ड ने डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन के कारण निलंबित कर दिया था। वर्ष 2021 में उल्लंघन के लिए पूर्व में दो साल का प्रतिबंध झेलने वाले गनी के मामले में यह बात सामने आई कि उन्होंने दस्तावेजों में हेराफेरी की थी जिसके परिणामस्वरूप उन पर डोपिंग नियंत्रण प्रक्रिया में छेड़छाड़ का अतिरिक्त आरोप लगा।

गनी पर लगा चार साल का प्रतिबंध छह मार्च 2026 से पांच मार्च 2030 तक प्रभावी रहेगा। कैस एडीडी ने यह भी फैसला दिया है कि पाकिस्तान भारोत्तोलन महासंघ पर अतिरिक्त कार्रवाई की जाएगी क्योंकि तीन से अधिक खिलाड़ी और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के सदस्य डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन में शामिल पाए गए हैं। पाकिस्तान भारोत्तोलन महासंघ पर अभी उसके अधिकारियों, कोच और खिलाड़ियों द्वारा किए गए पिछले उल्लंघनों के कारण एक साल का निलंबन चल रहा है।

कोलकाता को 65 रनों से रौंद एचआरएच ने खोला जीत का खाता, केकेआर के काम नहीं आई रघुवंशी की फिफ्टी, हैदराबाद की जीत

सनराइजर्स हैदराबाद ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 65 रनों से हरा दिया है. कोलकाता की पूरी टीम 161 रनों पर ऑलआउट हो गई.

कोलकाता, एजेंसी | सनराइजर्स हैदराबाद ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 65 रनों से हरा दिया है. यह IPL 2026 में हैदराबाद टीम की पहली जीत है. कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए इस मुकाबले में KKR ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी. SRH की टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 226 रन बना डाले. विशालकाय लक्ष्य का पीछा करने आई कोलकाता पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल पाई और 161 रनों पर सिमट गई.

सनराइजर्स हैदराबाद की टीम के लिए अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड ने कोहराम मचाया. दोनों ने मिलकर 34 गेंद में 82 रनों की सलामी साझेदारी कर दी थी. अभिषेक ने 48 रन और ट्रेविस हेड ने 46 रनों की तूफानी पारी खेली. दूसरी ओर हेनरिक क्लासेन ने 52 रनों की पारी खेल SRH को 226 रनों के स्कोर तक पहुंचाया.

होम ग्राउंड पर लड़खड़ाई KKR

अपने होमग्राउंड पर खेलने उतरी कोलकाता नाइट राइडर्स टीम की शुरुआत ही खराब रही. टी20 वर्ल्ड कप में 33 गेंद में शतक ठोंकने वाले फिन एलन ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की और पहले ही ओवर में 3 चौके और 2 छक्के लगा दिए थे. मगर वो 7 गेंद में 28 रन बनाकर हर्ष दुबे को कैच थमा बैठे. कप्तान अजिंक्य रहाणे भी केवल 8 रन बनाकर आउट हो गए.

अंगकृष रघुवंशी ने जरूर 29 गेंद में 52 रनों की जुझारू पारी खेली, जो अब ऑरेंज कैप की रेस में सबसे आगे भी निकल गए हैं. दूसरी ओर 25.2 करोड़ में बिकने वाले कैमरून ग्रीन लगातार दूसरे मैच में फ्लॉप रहे, वो केवल 2 रन बनाकर आउट हो गए. रिंकू सिंह भी KKR की टीम को लगातार दूसरी हार से नहीं बचा पाए, उन्होंने 25 गेंद में 35 रनों की पारी खेली.

41 रन में गंवा दिए 7 विकेट

एक समय कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम ने 10.5 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 120 रन बना लिए थे. केकेआर के लिए जीत आसान लग रही थी, लेकिन तभी 11वें ओवर की आखिरी गेंद पर अंगकृष रघुवंशी रन आउट हो गए. यहीं से KKR की मुश्किलें बढ़ने लगी थीं. अगले महज 41 रनों के भीतर कोलकाता की टीम ने बाकी सात विकेट खो दिए थे और टीम 161 रनों पर ऑलआउट हो गई.

आईपीएल 2026 में खेलने के लिए इस खिलाड़ी ने खटखटाया कोर्ट का दरवाजा, कर दी ये मांग

नई दिल्ली, एजेंसी | श्रीलंका के तेज गेंदबाज नुवान तुषारा ने इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल के मौजूदा सत्र में खेलने के लिए गुरुवार 2 अप्रैल को अदालत से हस्तक्षेप करने की मांग की, क्योंकि देश के क्रिकेट बोर्ड ने फिटनेस टेस्ट में नाकाम रहने के कारण उन्हें अनापत्ति प्रमाण पत्र देने से इनकार कर दिया था। 31 वर्षीय खिलाड़ी को आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में 1.6 करोड़ रुपये में आरसीबी ने खरीदा था। इसके बाद 2026 केसीजन के लिए इसी रकम पर उन्हें रिटेन किया गया था।

श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने फिटनेस का हवाला देकर उन्हें एनओसी नहीं दी है। यही कारण है कि नुवान तुषारा ने कोलंबो जिला न्यायालय में मामला दायर कर श्रीलंका क्रिकेट को एनओसी जारी करने का आदेश देने की मांग की है। इस मामले की सुनवा 9 अप्रैल को होगी। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार 2022 से अपने देश के लिए 30 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेल चुके इस खिलाड़ी ने दलील दी है कि एसएलसी के साथ उनका अनुबंध 31 मार्च को समाप्त हो गया ता और वह इसे आगे नहीं बढ़ाना चाहते हैं।

तुषारा ने कहा कि उन्होंने एसएलसी को अपना अंतर्राष्ट्रीय करियर समाप्त करने की अपनी इच्छा के बारे में बता दिया था। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में फिटनेस टेस्ट में असफल होने के कारण एनओसी नहीं देने के फैसले को अदालत को रद्द कर देना चाहिए।

भारत को मिलेगा दूसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम, एकसाथ 1 लाख लोग देख पाएंगे लाइव मैच

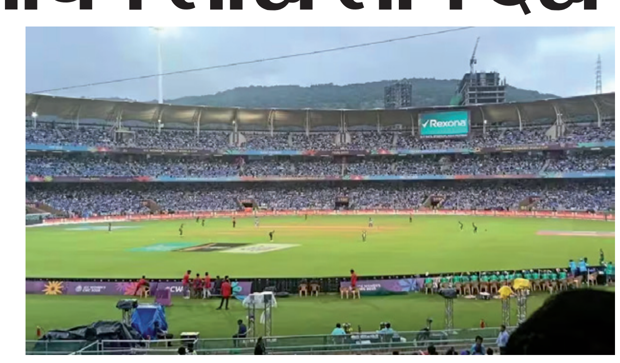

नई दिल्ली, एजेंसी | दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम भारत के अहमदाबाद में स्थित है, जिसे नरेंद्र मोदी स्टेडियम के नाम से जाना जाता है. इस मैदान में 1 लाख 32 हजार लोग एकसाथ बैठकर लाइव मैच का आनंद ले सकते हैं. अब नवी मुंबई को एक लाख लोगों की क्षमता वाला नया स्टेडियम मिलने वाला है. यह फैसला मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (MCA) के अध्यक्ष अजिंक्य नायक और CIDCO के मैनेजिंग डायरेक्टर विजय सिंघल की बैठक के बाद लिया गया है.

नया स्टेडियम संभवतः वानखेड़े स्टेडियम से स्पॉटलाइट छीनने का काम कर रहा होगा, जिसमें अभी 33 हजार लोग एकसाथ समा सकते हैं. अजिंक्य नायक ने कहा कि एक लाख की क्षमता वाले मैदान का निर्माण ना केवल मुंबई क्रिकेट को बढ़ावा देगा बल्कि खेल जगत में महाराष्ट्र के नाम को आगे बढ़ाने का काम करेगा. इससे पहले सिर्फ नरेंद्र मोदी स्टेडियम ही ऐसा है, जिसमें एक लाख या उससे ज्यादा लोग एकसाथ समा सकते हैं. वह दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम भी है.

निर्माण पूरा होने के बाद नवी मुंबई में बनने जा रहा यह स्टेडियम, भारत का दूसरा सबसे बड़ा क्रिकेट मैदान बन जाएगा. अभी क्षमता के हिसाब से दूसरा सबसे बड़ा मैदान कोलकाता का ईडन गार्डन्स है, जिसकी कुल क्षमता 68,000 है. मुंबई में पहले से वानखेड़े, ब्रेबोर्न और डीवाई पाटिल जैसे ऐतिहासिक मैदान मौजूद हैं. उम्मीद की जा रही है कि यह मैदान आगे चलकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मैच और टूर्नामेंट्स की मेजबानी करेगा.

अभी दुनिया में सिर्फ 2 ही क्रिकेट मैदान ऐसे हैं, जिनमें एक लाख से अधिक लोग एकसाथ बैठकर लाइव मैच देख सकते हैं. अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम के अलावा यह उपाधि मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड के पास भी है, जिसमें एकसाथ 1,00,024 लोग बैठ सकते हैं. नरेंद्र मोदी स्टेडियम से पहले कई सालों तक सबसे बड़े मैदान का दर्जा MCG के पास ही था.

भारती एयरटेल का वैश्विक दबदबा, 65 करोड़ ग्राहकों के साथ बनी दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी

मुंबई, एजेंसी | भारतीय दूरसंचार दिग्गज भारती एयरटेल ने वैश्विक स्तर पर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को 'जीएसएमए इंटेलिजेंस' के आंकड़ों का हवाला देते हुए घोषणा की कि वह अब मोबाइल ग्राहक आधार के मामले में दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी बन गई है। ग्लोबल सिस्टम फॉर मोबाइल कम्युनिकेशंस (जीएसएमए) दुनिया भर के मोबाइल संचालकों और संबंधित कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाला एक प्रमुख संगठन है। कंपनी बयान के अनुसार, 'जीएसएमए इंटेलिजेंस' के मुताबिक मोबाइल ग्राहक आधार के लिहाज से भारती एयरटेल वैश्विक स्तर पर दूसरे स्थान पर है।

कंपनी भारत तथा अफ्रीका में सेवाएं देती है। भारती एयरटेल के कार्यकारी वाइस चेयरमैन गोपाल विट्टल ने कहा, '' हम नवाचार, विश्वसनीयता एवं सेवाओं के अनुभव के स्तर को और ऊंचा करने का प्रयास करेंगे, ताकि हर ग्राहक के साथ संपर्क भरोसा जीतने तथा मूल्य प्रदान करने का अवसर बने।''

इसे भी पढ़ेंः जम्मू-कश्मीरः सरकारी विभागों पर 3,747 करोड़ का बिजली बिल बकाया, CM उमर अब्दुल्ला ने पेश किए चौंकाने वाले आंकड़े

कंपनी के प्रवक्ता ने बताया कि यह संख्या 31 मार्च तक उपलब्ध आंकड़ों पर आधारित हैं। एयरटेल ने कहा कि भारत में उसके 36.8 करोड़ से अधिक मोबाइल ग्राहक हैं, जबकि अफ्रीका के 14 देशों में 17.9 करोड़ से अधिक ग्राहक हैं। कंपनी के अनुसार, अपने क्षेत्रीय बाजारों से आगे बढ़ते हुए एयरटेल 'यूटेलसैट वनवेब' और 'स्पेसएक्स' के साथ रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से डिजिटल खाई को पाटने का प्रयास कर रही है।

सेल के चेयरमैन अमरेंदु प्रकाश ने दिया इस्तीफा, FY25-26 में अप्रत्यक्ष कर संग्रह लक्ष्य के पार

नई दिल्ली, एजेंसी | इस्पात मंत्रालय से मंजूरी मिलने के बाद, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसएआईएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अमरेंदु प्रकाश ने 2 अप्रैल से अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, एक नियामक फाइलिंग में यह जानकारी दी गई है।

इस बीच, इस्पात मंत्रालय के आदेशानुसार, कंपनी के निदेशक (कार्मिक) कृष्ण कुमार सिंह को तीन महीने के लिए - 2 अप्रैल से 1 जुलाई, 2026 तक- या जब तक कोई नियमित पदाधिकारी कार्यभार ग्रहण नहीं कर लेता या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

बीएसई को दी गई जानकारी में, सेल ने कहा कि प्रकाश ने 2 जनवरी को मंत्रालय को अपना इस्तीफा सौंप दिया था।

कंपनी ने फाइलिंग में बताया, 'सक्षम प्राधिकारी ने 1 अप्रैल 2026 से एसएआईएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के पद से उनके इस्तीफे को मंजूरी दे दी है। उस आधार पर, एसएआईएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अमरेंदु प्रकाश 1 अप्रैल 2026 से एसएआईएल बोर्ड के सदस्य नहीं रहे।'

राजेश कुमार ने आरईसी लिमिटेड के निदेशक (वित्त) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया

सरकारी स्वामित्व वाली आरईसी लिमिटेड ने गुरुवार को कहा कि राजेश कुमार ने 2 अप्रैल, 2026 से निदेशक (वित्त) के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

कंपनी के एक बयान के अनुसार, कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने 25 मार्च को विद्युत मंत्रालय के उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी जिसमें कुमार को आरईसी लिमिटेड में पांच साल की अवधि के लिए निदेशक (वित्त) के पद पर नियुक्त करने की बात कही गई थी। राजेश कुमार एक अनुभवी वित्त पेशेवर हैं, जिन्हें सार्वजनिक क्षेत्र में, विशेष रूप से बिजली और अवसंरचना वित्तपोषण में 30 वर्षों से अधिक का व्यापक अनुभव है। उन्हें लेखा, कराधान, लेखापरीक्षा, वित्त, परियोजना मूल्यांकन और नियामक अनुपालन में व्यापक अनुभव है। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स से वाणिज्य में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है, साथ ही चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) और कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट (सीएमए) के रूप में दोहरी पेशेवर योग्यताएं भी हासिल की हैं। इस पदोन्नति से पहले, कुमार आरईसी लिमिटेड में कार्यकारी निदेशक (वित्त) के रूप में कार्यरत थे।

अब पसंदीदा गाड़ी खरीदना होगा और मुश्किल! हॉर्मुज संकट की तपिश से स्टील से टायर तक सब महंगा

नई दिल्ली, एजेंसी | ईरान-इज़राइल-अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव का असर अब सीधे भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर पर दिखने लगा है. कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, शिपिंग कॉस्ट में बढ़ोतरी और सप्लाई चेन पर दबाव ने कंपनियों की लागत बढ़ा दी है. युद्ध का सबसे पहला और सबसे बड़ा असर गाड़ी बनाने वाले कच्चे माल पर पड़ा है. स्टील, एल्युमीनियम, रबर, प्लास्टिक, पेंट और केमिकल गाड़ी के हर हिस्से की कीमत बढ़ रही है.

दुनिया का तेल बेंचमार्क बेरंट क्रूड 110 से 120 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है. पेट्रोकेमिकल से बनने वाले पेंट और केमिकल की कीमत तो सबसे पहले और सबसे तेज़ बढ़ती है, क्योंकि ये सीधे क्रूड से जुड़े हैं. इसको ऐसे समझे कि अब गाड़ी का हर हिस्सा महंगा बन रहा है और यह महंगाई कंपनियों तक पहुंच रही है.

कंपनियों पर दबाव की कीमत बढ़ाएं या मार्जिन घटाएं? – ब्रोकरेज फर्म Elara Securities ने रिपोर्ट में बताया है कि भारतीय ऑटो सेक्टर दो तरफ से दबाव में है. एक तरफ मिडिल ईस्ट में एक्सपोर्ट बंद होने का सीधा नुकसान है और दूसरी तरफ महंगे कच्चे माल बढ़े हुए माल-भाड़ा दरें और टूटी हुई सप्लाई चेन का दबाव. असर उन कंपनियों पर भी पड़ रहा है, जिनका मिडिल ईस्ट से सीधा कारोबार कम है.

टाटा मोटर्स ने 1 अप्रैल 2026 से पेट्रोल-डीज़ल-CNG वाहनों के दाम औसतन 0.5% बढ़ाए हैं और कमर्शियल व्हीकल्स पर 1.5% तक की बढ़ोतरी की है.

जेएसडब्लू एमजी मोटर पूरी रेंज पर 2% दाम बढ़ाए हैं. – बीएमडब्लू और Mercedes-Benz ने भी 2% की बढ़ोतरी की है.

किआ इंडिया ने भी लागत बढ़ने का संकेत दिया है. – Maruti Suzuki और Mahindra & Mahindra फिलहाल कीमत नहीं बढ़ा रहे, लेकिन दोनों कंपनियों ने साफ कह दिया है अगर हालात लंबे चले तो दाम बढ़ाना मजबूरी बन जाएगा.

फ्यूल महंगा तो EV की डिमांड तेज़ – युद्ध के चलते पेट्रोल-डीज़ल की कीमतों को लेकर जो डर और अनिश्चितता बनी है उसने बाज़ार में एक नया ट्रेंड शुरू कर दिया है. लोग EV को सेफ ऑप्शन मानकर खरीद रहे हैं, क्योंकि EV running cost कम है फ्यूल प्राइज का जोखिम नहीं है और सरकार की सपोर्ट भी है. फरवरी 2026 में देशभर में EV की बिक्री 25% से ज़्यादा बढ़ी. Mahindra की EV बिक्री तो करीब दोगुनी हो गई. ओवरऑल EV retail sales 44% बढ़ीं यह भारत का अब तक का सबसे ऊँचा monthly EV retail record था. इस पूरे बदलाव का सबसे ज़्यादा फायदा Tata Motors और Mahindra को मिल रहा है.

शिपिंग और सप्लाई चेन है छुपा हुआ बड़ा खतरा! – होरमुज़ जलडमरूमध्य की करीब-करीब बंदी के बाद दुनिया की सबसे बड़ी शिपिंग कंपनियों ने वो रास्ता छोड़ दिया है. इससे भाड़ा बढ़ा है डिलीवरी में देरी आई है और पाट्‌र्स का इमोर्ट महंगा हो गया है.

Elara Securities के मुताबिक ज़्यादातर भारतीय ऑटो कंपनियों के लिए freight cost कुल revenue का 1% से 3% होता है. यह आंकड़ा छोटा लगता है, लेकिन ऑटो जैसे सेक्टर में जहां मार्जिन्स पहले से बहुत पतले होते हैं, वहां यह सीधे मुनाफे पर चोट करता है. इसका असर सिर्फ बड़ी गाड़ी कंपनियों पर नहीं बल्कि पूरे ऑटो कंपोनेन्ट सेक्टर पर पड़ रहा है.

टायर और केमिकल सेक्टर पर सबसे ज़्यादा मार – टायर कंपनियों में auto ancillary सेक्टर में सबसे ज़्यादा दबाव में है. रबर और क्रूड से जुड़ा कच्चा माल तेज़ी से महंगा हो रहा है लेकिन टायर कंपनियां फोरन अपनी कीमतें नहीं बढ़ा सकतीं, क्योंकि उनके बड़े ग्राहक खुद ओईएम कंपनियां हैं.

बासमती से लेकर दवाओं तक, खतरे में भारत के ये 6 सेक्टर, एक्सपोर्टर्स की टूटी कमर

नई दिल्ली, एजेंसी | ईरान-इज़रायल तनाव सिर्फ एक युद्ध की आशंका नहीं है, यह भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा झटका बनता जा रहा है. कॉमर्स मिनिस्ट्री ने गुरुवार को बताया है कि वेस्ट एशिया को भारत का जो 56% निर्यात जाता है, वो अभी माल लंबे रास्ते से भेजा जा रहा है, जिससे लागत और समय दोनों बढ़ रहे हैं. मंत्रालय ने 6 अहम सेक्टर्स पर असर का आकलन पेश किया है.

वेस्ट एशिया भारतीय बासमती, समुद्री उत्पाद और ताज़े फलों का सबसे बड़ा बाज़ार है. अभी हवाई और समुद्री माल-भाड़ा तेज़ी से बढ़ रहा है. ताज़े फल-सब्ज़ियां रास्ते में ही खराब होने का खतरा है. बासमती के पेमेंट चैनल्स बाधित हो रहे हैं और क्रेडिट साइकिल टूट रहा है. इससे भी बड़ी चिंता यह है कि यूरिया बनाने के लिए एलएनजी फीडस्टॉक की सप्लाई खतरे में है. मानसून सीज़न से पहले नाइट्रोजन खाद का संकट खड़ा हो सकता है.

इंजीनियरिंग गुड्स, लोहे से लेकर मशीनरी तक सब जाम

यह भारत की सबसे बड़ी माल निर्यात श्रेणी है. वेस्ट एशिया में लोहे, स्टील और मशीनरी की भारी मांग है, लेकिन फाउंड्री और मशीनिंग यूनिट्स के लिए एलपीजी-पीएनजी सप्लाई दबाव में है. इससे एल्युमीनियम सप्लाई भी बाधित हो चुकी है.

खाड़ी के प्रमुख बंदरगाह भारतीय इंजीनियरिंग सामान की एंट्री टूटू हुई है. जहाज़ों को लंबे रास्ते से भेजना पड़ रहा है, जिससे ट्रांज़िट टाइम बढ़ रहा है और वॉर रिस्क सरचार्ज अलग से लग रहा है.

सोना आना भी मुश्किल, बेचना भी

GCC देश भारत के रत्न एवं आभूषण उद्योग के लिए एक साथ खरीदार और स्पलायर दोनों हैं. एक तरफ GCC को सोने के आभूषणों का निर्यात ठप पड़ रहा है. इससे diaspora के लिए बने कस्टूमाइजिड प्रोडेक्ट कहीं और नहीं बेचे जा सकते.

दूसरी तरफ GCC से गोल्ड बार और रफ डायमंड्स का निर्यात भी बाधित है और विविधता के विकल्प सीमित हैं. ऊपर से विनिर्माण क्लस्टर में LPG संकट से मेटल मेलटिंग और रत्न प्रसंस्करण प्रभावित हो रही है.

Strait of Hormuz पर सबसे बड़ा दांव

भारत दुनिया के सबसे बड़े कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) आयातकों में से एक है. हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य से एलपीजी पारगमन मार्ग अभी भारी दबाव में हैं. वाणिज्यिक और औद्योगिक एलपीजी आपूर्ति पर दबाव है. हालांकि मंत्रालय ने कहा, 'घरेलू और सीएनजी के लिए प्राथमिकता आवंटन के जरिए आपूर्ति बनाए रखी जा रही है.

'द ट्रेटर्स इंडिया 2' : करण जौहर करेंगे होस्ट

श्वेता तिवारी और मुनव्वर फारुकी आएंगे नजर

'द ट्रेटर्स इंडिया' के दूसरे सीजन को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है। जहां एलविश यादव और रुबिना डिलैक के शो में शामिल न होने की खबर ने फैंस को निराश किया है, वहीं मुनव्वर फारुकी, श्वेता तिवारी, क्रिस्टल डिसूजा और नेहा धूपिया जैसे नामों की एंट्री से एक्साइटमेंट और बढ़ गई है।

रियलिटी शो द ट्रेटर्स इंडिया के पहले सीजन की जबरदस्त सफलता के बाद अब इसका दूसरा सीजन आने वाला है, और एक बार फिर इसे होस्ट करते नजर आएंगे करण जौहर। शो की शूटिंग शुरू होते ही सोशल मीडिया पर कंटेस्टेंट्स को लेकर अटकलों का दौर तेज हो गया है। शुरुआत में जिन दो नामों ने सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरीं, वे थे एलविश यादव और रुबिना डिलैक। फैंस इन दोनों को शो में देखने के लिए बेहद उत्साहित थे, लेकिन नई रिपोर्ट्स के मुताबिक ये दोनों इस सीजन का हिस्सा नहीं होंगे। रियलिटी शो की दुनिया में हिट हो चुका शो द ट्रेटर्स इंडिया के दूसरे सीजन की शूटिंग शुरू हो चुकी है। इस दफा एलविश और रुबिना का नाम सबसे ज्यादा आ रहा था, लेकिन अफसोस की बात तो यह है कि ये दोनों इस रियलिटी शो में नहीं नजर आने वाले हैं। रियलिटी स्कूप की मानें तो इस बार इन दोनों ने इस रियलिटी शो को ना करने का मन बना लिया है। रिपोर्ट्स की मानें तो स्टैंड-अप कॉमेडियन और रियलिटी शो विजेता मुनव्वर फारुकी इस शो का हिस्सा बनने वाले हैं। उनके साथ टीवी की फेमस एक्ट्रेस श्वेता तिवारी भी नजर आएंगी। दोनों की पर्सनैलिटी और गेम प्लान को लेकर दर्शकों में काफी उत्सुकता है। इसके अलावा, खबर है कि क्रिस्टल डिसूजा और नेहा धूपिया के भी इस शो में शामिल होने की खबर है। रिपोर्ट्स के अनुसार, मेकर्स ने बिपाशा बसु को भी अप्रोच किया था, लेकिन उन्होंने रियलिटी शो करने में दिलचस्पी नहीं दिखाई और ऑफर ठुकरा दिया। अगर पहले सीजन की बात करें, तो इसे अमेजॉन प्राइम वीडियो पर रिलीज किया गया था और दर्शकों ने इसे खूब पसंद किया। शो की खासियत इसका ट्रेटर बनाम इनोसेंट कॉन्सेप्ट था, जिसमें खिलाड़ियों को अपनी रणनीति, समझदारी और भरोसे का खेल खेलना होता है। राजस्थान के भव्य सूर्यगढ़ महल में शूट किए गए इस शो में ड्रामा, इमोशन और सस्पेंस का जबरदस्त तड़का देखने को मिला था। पहले सीजन में उर्फी जावेद, रफ़्तार, जैस्मिन भसीन और करण कुन्द्रा जैसे कई चर्चित नाम नजर आए थे।जहां तक एलविश यादव की बात है, वे हाल ही में अपने एक विवाद को लेकर खबरों में थे, जिसमें उन्हें राहत भी मिली। वहीं रुबिना डिलैक लंबे समय से टीवी इंडस्ट्री का बड़ा नाम रही हैं और अपनी एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतती आई हैं। अब सवाल यह है कि नए सीजन में कौन ट्रेटर बनेगा और कौन इनोसेंट? यही रहस्य और रोमांच इस शो को खास बनाता है। दर्शकों को एक बार फिर रणनीति, चालाकी और रिश्तों के इस खेल का इंतजार है।

राधिका की ब्लॉकबस्टर तमिल फिल्म थाई किझावी का प्रीमियर ओटीटी पर होगा

सीनियर एक्ट्रेस राधिका सरथकुमार ज़बरदस्त तमिल फ़िल्म थाई किझावी में लीड रोल निभा रही हैं। यह फ़िल्म डिजिटल लवर्स को एंटरटेन करने के लिए पूरी तरह तैयार है। सिर्फ़ 9 करोड़ रुपये के बजट में बनी यह छोटी सी फ़िल्म बॉक्स ऑफ़िस पर 75 करोड़ रुपये से ज़्यादा का कलेक्शन करके ब्लॉकबस्टर बन गई है। अब इस फ़िल्म की ओटीटी स्ट्रीमिंग डेट फ़ाइनल हो गई है। 10 अप्रैल से यह फ़िल्म जियोहॉटस्टार और सिंपली साउथ ह्ज्ञ्ज्ञ पर एक साथ स्ट्रीम होगी। यह फ़िल्म तमिल के साथ-साथ तेलुगु में भी डिजिटल ऑडियंस के लिए अवेलेबल होगी। शिवकुमार मुरुगेसन के डायरेक्शन में बनी इस कॉमेडी ड्रामा को पॉपुलर तमिल हीरो शिवकार्तिकेयन ने अपनी प्रोडक्शन कंपनी शिवकार्तिकेयन प्रोडक्शंस के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। 63 साल की उम्र में राधिका ने लगभग 5 घंटे तक प्रोस्थेटिक मेकअप किया और मारी पावुनुथाई नाम की एक बुज़ुर्ग महिला के रोल में शानदार परफ़ॉर्मेंस दी। फिल्म की कहानी की बात करें तो.. एक गांव में सेट, यह कहानी पावुनुथाई (राधिका सरथकुमार) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक सख्त साहूकार है। हालांकि, अचानक, उसे लकवा मार जाता है और वह बिस्तर पर पड़ जाती है। यह खबर सुनकर कि उसके पास 160 तोला सोना है, उसके तीन बेटे अलग-अलग जगहों से गांव की ओर दौड़ पड़ते हैं। फिल्म उस सोने को पाने की उनकी कोशिशों के इर्द-गिर्द घूमती है, साथ ही इससे जुड़ी कॉमेडी और इमोशन भी हैं।

आज की महिला कलाकार स्क्रिप्ट के साथ 'ज़्यादा साहसी' : भूमी

अभी भी इंडिया में, हमें लगता है कि फिल्मों की दुनिया बहुत खतरनाक है, लेकिन ऐसा नहीं है। इस दुनिया में कई महिलाएं बहुत काबिल बन गई हैं। अगर आपका कोई सपना है, तो बहुत से लोग आपको नहीं कहेंगे, लेकिन आपको उस हां को सुनना होगा। हमेशा सेफ रहें और जानें कि कौन से लोग सही हैं और कौन से गलत। एक्सपीरियंस आपको यह सिखाएगा।

इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल दिल्ली 2026 में बोलते हुए, भूमि ने बताया कि कैसे स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने कहानी कहने के तरीके को बदल दिया है, खासकर महिला एक्टर्स के लिए। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि ह्ज्ञ्ज्ञ के साथ, खासकर महिलाओं के लिए, कहानी बहुत मज़बूत हो गई है, क्योंकि उनमें से बहुत सारे शो, उनमें से बहुत सारी फिल्में महिलाओं द्वारा लीड की जाती हैं। महिलाएं अपनी स्क्रिप्ट चुनते समय हमेशा बहुत ज़्यादा हिम्मत वाली और बहादुर रही हैं। ह्ज्ञ्ज्ञ उन्हें सही प्लेटफॉर्म देता है।2015 में दम लगा के हईशा से डेब्यू करने के बाद, भूमि ने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में एक दशक पूरा किया है। अपनी जर्नी के बारे में बताते हुए, उन्होंने इंडस्ट्री में आगे बढ़ने की चाह रखने वाली एक्ट्रेसेस के लिए सलाह भी शेयर की।उन्होंने आगे कहा, अभी भी इंडिया में, हमें लगता है कि फिल्मों की दुनिया बहुत खतरनाक है, लेकिन ऐसा नहीं है। इस दुनिया में कई महिलाएं बहुत काबिल बन गई हैं। अगर आपका कोई सपना है, तो बहुत से लोग आपको नहीं कहेंगे, लेकिन आपको उस हां को सुनना होगा। हमेशा सेफ रहें और जानें कि कौन से लोग सही हैं और कौन से गलत। एक्सपीरियंस आपको यह सिखाएगा।एक्टर ने बुराई से निपटने और कम समझे जाने के बारे में भी बात की। हाल ही में एक इंटरव्यू में, उन्होंने बताया कि कैसे नेगेटिव फ़ीडबैक अक्सर उनके पक्के इरादे को बढ़ाता है। उन्होंने कहा, काम शब्दों से ज़्यादा बोलते हैं। महिलाओं के लिए, यह हमारा सबसे पावरफ़ुल टूल है। हर बार जब मुझे कम आंका जाता है, तो एक आग जलती हैज् यह मुझे और ज़्यादा मोटिवेट करती है। मैंने हमेशा अपने काम को वापस आने के तरीके के तौर पर इस्तेमाल किया है।

सलमान खान और वामसी पैडिपल्ली के फिल्म में नयनतारा की एंट्री

नयनतारा पहले ही शाहरुख खान के साथ फिल्म जवान से बॉलीवुड में डेब्यू कर चुकी हैं और रिकॉर्ड तोड़ ब्लॉकबस्टर सफलता हासिल की है। अब एक बार फिर बॉलीवुड के टॉप हीरो सलमान खान के साथ उनकी जोड़ी इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में हॉट टॉपिक बन गई है। इन तीन लेजेंड्स सलमान खान, नयनतारा और वामसी पैडिपल्ली के कॉम्बिनेशन वाली इस मूवी से ऑडियंस की उम्मीदें पहले से ही आसमान छू रही हैं।

इंडियन सिनेमा इंडस्ट्री में एक और क्रेज़ी कॉम्बिनेशन बन गया है। पता चला है कि बॉलीवुड के मसल हीरो सलमान खान और टॉलीवुड के मशहूर डायरेक्टर वामसी पैडिपल्ली के कॉम्बिनेशन में एक फिल्म आ रही है। मेकर्स ने हाल ही में इस फिल्म की हीरोइन को इंट्रोड्यूस किया है। फिल्म टीम ने ऑफिशियली अनाउंस किया है कि इस प्रेस्टीजियस फिल्म में लेडी सुपरस्टार नयनतारा को हीरोइन के तौर पर चुना गया है। टॉलीवुड की टॉप प्रोडक्शन कंपनी श्री वेंकटेश्वर क्रिएशंस के बैनर तले स्टार प्रोड्यूसर दिल राजू और सिरीश मिलकर इस फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं। दिल राजू की प्रोडक्शन कंपनी की यह 63वीं फिल्म है।

इस अपडेट का खुलासा करते हुए.. क्वीन ने 63 प्रोजेक्ट में एंट्री कर ली है.. फिल्म टीम ने लिखा कि वे नयनतारा को इस प्रेस्टीजियस प्रोजेक्ट के लिए इनवाइट करना सम्मान की बात मानते हैं, जिसे बहुत खास तौर पर शूट किया जा रहा है। नयनतारा पहले ही शाहरुख खान के साथ फिल्म जवान से बॉलीवुड में डेब्यू कर चुकी हैं और रिकॉर्ड तोड़ ब्लॉकबस्टर सफलता हासिल की है। अब एक बार फिर बॉलीवुड के टॉप हीरो सलमान खान के साथ उनकी जोड़ी इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में हॉट टॉपिक बन गई है। इन तीन लेजेंड्स सलमान खान, नयनतारा और वामसी पैडिपल्ली के कॉम्बिनेशन वाली इस मूवी से ऑडियंस की उम्मीदें पहले से ही आसमान छू रही हैं। डायरेक्टर वामसी पैडिपल्ली ने इससे पहले थलपति विजय के साथ मूवी वरसुडू (वारिसु) से अछी सफलता हासिल की थी। अब हर कोई इस बात को लेकर उत्सुक है कि वह सलमान खान के साथ कौन सी नई कहानी दिखाने वाले हैं। फिल्म की टीम जल्द ही ऑफिशियली इस प्रोजेक्ट की पूरी डिटेल्स, साथ ही बाकी कास्ट और टेक्नीशियन्स के बारे में बताएगी।

पाली में अनोखे ढंग से मनाया प्रवेश उत्सव

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा।

राजेश नीरस. इन दिनों प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा स्कूल चलें हम अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों को स्कूल में दाखिला लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसी कडी में गत दिवस क्षेत्र के साईखेड़ा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पाली (खैरी) में स्कूल चलें हम अभियान के तहत प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में अनोखा नजारा देखने को मिला जिसे देखकर ग्रामवासी अत्यंत प्रसन्न हुए। इस दिन गाँव की शासकीय प्राथमिक शाला के शिक्षक सिराज अहमद सिद्धिकी ढ़ोल बाजे के साथ गाँव के नवप्रवेशी बच्चों के घर गये और उन्हें स्कूल ड्रेस एवं बैग प्रदान करके उन्हें स्कूल लेकर आये। इस अवसर पर श्री सिद्धिकी ने बताया कि स्कूल आने के प्रति बच्चों में आकर्षण हो एवं वे बिना भय के खुशी खुशी स्कूल आयें ऐसा माहौल तैयार करने के लिए ये नवाचार किया गया है। हमारा लक्ष्य है कि हमारे स्कूल में अधिक से अधिक बच्चों का दाखिला हो क्योंकि हमारे यहाँ बेहतर एवं आधुनिक संसाधन है।

श्री विष्णु महायज्ञ एवं रामचरित मानस सम्मेलन का पूर्णाहुति एवं भंडारे से हुआ समापन

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा।

राजेश नीरस. क्षेत्र के चीचली ब्लॉक अंतर्गत ग्राम इमलिया (कल्याणपुर) में श्री रामाश्रित सत्संग सभा के तत्वावधान में जारी 57 वे श्री विष्णु महायज्ञ एवं रामचरित मानस सम्मेलन का गुरुवार को पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे के साथ समापन हो गया। अष्टम दिवस की कथा में बाल विदुषी प्रभाभारती जी वृंदावन धाम ने रामचरितमानस की महिमा का बखान किया उनके द्वारा प्रस्तुत भक्ति रस के प्रवचनों ने श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। कामतानाथ पीठाधीश्वर श्री रामस्वरूपाचार्य जी महाराज ने कहा कि एक गृहस्थ जीवन भी संत के समान है वह यदि दृढ़ निश्चय कर ले तो सांसारिक जीवन का निर्वहन करते हुए ईश्वर को प्राप्त कर सकता है एवं जटायु जैसी मुक्ति पा सकता है। उन्होंने कहा कि दशरथ जी को स्वर्ग मिला जबकि वह स्वयं परमपिता परमात्मा राम के पिता थे परंतु भक्त जटायु को बैकुंठ मिला एवं मुक्ति हेतु स्वयं परमात्मा को अंतिम समय में आना पड़ा। यज्ञ के अंतिम दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे

मनगवां में कांग्रेस का प्रदर्शन, गैस-पेट्रोल-बिजली दरों में बढ़ोतरी के विरोध में सौंपा 5 सूत्रीय ज्ञापन

साधना एक्सप्रेस रीवा मनगवां

मार्गदर्शन में नगर कांग्रेस कमेटी मनगवां एवं ब्लाक कांग्रेस कमेटी गंगेव के द्वारा संयुक्त तत्वावधान में गैस सिलेण्डर की मूल्य वृद्धि, अनुपलब्धता, बिजली दरो की अप्रत्याशित वृद्धि एवं पेट्रोल डीजल की कमी एवं जनसमस्याओं के विरोध में पांच सूत्रीय ज्ञापन महामहीम राज्यपाल महोदय को संबोधित अनुविभागीय अधिकारी मनगवां को सौपा गया। जिस अवसर पर उपस्थित जिला कांग्रेस कमेटी संगठन के महासचिव श्री रवि तिवारी जी ने उपस्थित कांग्रेस जनों को संबोधित करते हुए कहा कि बढ़ती बेरोजगारी, ईधन की बेतहाशा मूल्य वृद्धि से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए केन्द्र की मोदी सरकार ने गैस एवं पेट्रोल डीजल की कमी का हौआ खड़ा करके देश की आमजन को परेशानी में डाल दिया है। जबकि अभी देश मे डीजल पेट्रोल की न कमी है और ना ही संकट। श्री तिवारी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री ने सदन में यह वक्तव्य दिया है कि देश में ईधन को लेकर कोरोना जैसी स्थिति उत्पन्न होने वाली है जिसका देशवासियों को सामना करने के लिए तैयार रहना पडेगा, जिससे हमारे देश के सभी लोग इन सामग्रियों को जुटाने में लग गए जबकि वास्तविकता यह है कि उपरोक्त पदार्थो की अभी देश मे कोई कमी नही है। मनगवां विधानसभा की पूर्व प्रत्याशी बबिता साकेत जी ने कहा कि गैस की कीमतों में भारी भरकम वृद्धि करना, गरीबों के साथ घोर कुठाराघात हैं। मंहगाई पर नियंत्रण पाने में केन्द्र की सरकार पूरी तरह से असफल रही हैं। प्रदेश सरकार के द्वारा बिजली की दरों में आगामी 01 अप्रैल 2026 से की जा रही भारी भरकम वृद्धि की कटु अलोचना करते हुए उन्होने कहा कि प्रदेश सरकार उपभोक्ताओं के हितों का ध्यान न देकर विद्युत वितरण कम्पनियों को मालामाल करने का काम कर रही हैं। नियामक आयोग का बहाना बनाकर उपभोक्ताओं के हितों पर कुठाराघात करने मे यह सरकार कोई कसर नही छोड़ रही हैं। बिजली के मेंटिनेंस के नाम पर करोड़ो रूपये फूंके जा रहे हैं जबकि जमीन पर इसका कोई सुधार नही दिख रहा है। वही पुराने तार, पुराने ट्रांसफार्मर और सभी पुराने उपकरण आज भी लगे हैं, इससे आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती है। उन्होंने लोगों को भाजपा के दुष्प्रचार से बचने की सलाह दी। कार्यक्रम के उपरांत महामहिम राज्यपाल महोदय को संबोधित 05 सूत्रीय मांगो का ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी को सौंपा गया। ज्ञापन सौपने वालों में प्रमुख रूप से जिला कांग्रेस ग्रामीण संगठन महासचिव श्री रवि तिवारी जी, मनगवां विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी बबिता साकेत जी, ब्लाक कांग्रेस गंगेव अध्यक्ष एड० बलराम गौतम, नगर कांग्रेस अध्यक्ष शंकर राघव तिवारी, विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी डा० त्रिवेणी मैत्रेय, पूर्व नहर अध्यक्ष श्री शरदचन्द्र तिवारी, पूर्व नगर पंचायत उपाध्यक्ष अरविन्द मिश्रा, पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्री रामनिधि वर्मा, एस.आई.आर. के प्रभारी एड० यादवेन्द्र सिंह, एड० राजू सिंह, मण्डलम अध्यक्ष श्री पुष्पेन्द्र वर्मा, सतेन्द्र सिंह, उमेश पटेल, कमलेश सोनी, रामनरेश तिवारी, युवक कांग्रेस वि.स. अध्यक्ष प्रकाश तिवारी, पंकज शास्त्री, प्रदीप पटेल, अभय द्विवेदी, प्रदीप मिश्रा 'दीपू', सतेन्द्र पाण्डेय, विवेक साकेत, पंकज मिश्रा, कौशलेश पाण्डेय, बृजेन्द्र मिश्रा, सोनू राल्ही, शिवराम सोंधिया, पुष्पेन्द्र पटेल, मनीष मिश्रा, सच्चू पाण्डेय, मानस चतुर्वेदी, मानिकलाल सोनी, मो० ईसा, सचिन रावत, राकेश सिंह, संदीप मिश्रा, शशिकान्त द्विवेदी, राजेन्द्र पटेल, सचिन सोनी, रमेश वर्मा, संतोष शुक्ला, मदन मोहन दुबे, चुनका रावत, अर्जुन पाण्डेय, छोटू सोंधिया, हरिप्रसाद साहू, सुमित मिश्रा, मुस्ताक अंसारी, धनुलाल सोनी, चंदन बंसल, भूरेलाल सोंधिया, सनी हलवाई सहित काफी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण शिविर में दिखा विधायक नरेंद्र प्रजापति का अलग अंदाज, मधुर भजनों से बांधा समा

साधना एक्सप्रेस मनगवां

रीवा अनोखा अंदाज दिखा युवा विधायक इन्जीनियर नरेन्द्र प्रजापति का एक बार फिर जहां वो मंडल प्रशिक्षण के दौरान रात्रिकालीन प्रवास के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम में भजनों की प्रस्तुति दे रहे हैं और किसी भी प्रकार का कोई वाद्ययंत्र नहीं है फिर भी विधायक ने बड़े ही मधुर सुर एवं लय के साथ मंडल के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर भजन एवं देश भक्ति गीतों का गायन किया जो सोशल मीडिया पर लाइव होने के कारण वायरल हो गया है जिसकी क्षेत्र में बड़ी चर्चा हो रही है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 मण्डल मनगवां का सरस्वती शिशु मंदिर मनगवां में प्रशिक्षण संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण प्रातः 09:30 बजे से प्रातः अल्पाहार के साथ शुरू हुआ,पार्टी की रीति-नीति के अनुरूप दीप प्रज्वलन,सम्पूर्ण वन्देमातरम गायन एवं अतिथियों का स्वागत किया गया...

स्वागत उद्बोधन मण्डल अध्यक्ष अरुणेन्द्र मिश्रा जी ने किया,अध्यक्षीय उद्बोधन जिले के महामंत्री एवं मण्डल के प्रभारी श्री उमाशंकर पटेल ने दिया,उद्धघाटन सत्र में जिलाध्यक्ष श्री वीरेंद्र गुप्ता ने भाजपा के इतिहास से अवगत कराया,द्वितीय सत्र में मनगवां के लोकप्रिय विधायक इन्जीनियर नरेंद्र प्रजापति ने प्रदेश सरकार की योजनाओं विस्तार से चर्चा की ,तृतीय सत्र में श्री जगजीवन लाल तिवारी ने कार्य विस्तार विषय पर अपनी बात रखी ,तत्पश्चात समस्त प्रशिक्षणार्थी भोजन किये,चतुर्थ सत्र में पार्टी के वैचारिक आधिष्ठान विषय पर श्री राजेंद्र पाण्डेय जी ने व्याख्यान दिया ,पंचम सत्र में पार्टी की कार्यपद्धति पर पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ अजय सिंह जी ने ,षष्टम सत्र मे केंद्र सरकार की योजनाओं के बारे मे वरिष्ठ एडवोकेट श्री रावेन्द्र मिश्रा ने ,सप्तम सत्र में बूथ प्रबंधन एवं मन की बात विषय पर जिला उपाध्यक्ष श्री शरद साहू ने एवं द्वितीय दिवस पर डा अनिल पटेल जी के द्वारा सोशल मीडिया पर विषय रखा गया। प्रशिक्षण वर्ग में रात्रि प्रवास के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति के दौरान क्षेत्रीय विधायक इन्जीनियर नरेन्द्र प्रजापति ने कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर देशभक्ति गीतों एवं भजनों को सुनाकर सभी का मन मोह लिया।

श्री हनुमान जी के आदर्शों से प्रेरणा लेकर हमें राष्ट्रहित में कार्य करना चाहिए : गोविंद सिंह राजपूत

» हनुमान प्राकट्योत्सव पर खाद्य मंत्री कई धार्मिक आयोजनों में हुए शामिल, भगवान हनुमान से क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना

» सागर से सीहोरा और राहतगढ़ तक कार्यक्रमों में सहभागिता, शोभायात्रा और महाआरती में शामिल होकर श्रद्धालुओं को दी शुभकामनाएं

साधना एक्सप्रेस भोपाल

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने गुरुवार को हनुमान प्राकट्योत्सव के अवसर पर सागर जिले के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर आयोजित कार्यक्रमों में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने भगवान हनुमान की पूजा-अर्चना कर प्रदेश एवं क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और समृद्धि की कामना की तथा श्रद्धालुओं को हनुमान प्राकट्योत्सव की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि भगवान हनुमान त्याग, सेवा और पराक्रम के प्रतीक हैं। उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर हमें समाज और राष्ट्र के हित में कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार भी सेवा, सुशासन और जनकल्याण की भावना के साथ निरंतर कार्य कर रही है। सरकार द्वारा गरीब, किसान, महिला, युवा और समाज के हर वर्ग के विकास के लिए अनेक जनहितकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

खाद्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार विकास और जनकल्याण के कार्यों को तेजी से आगे बढ़ा रही है, जिससे आमजन को सीधा लाभ मिल रहा है और प्रदेश निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। मंत्री श्री राजपूत श्री बालाजी मंदिर धर्माश्री, सागर में आयोजित हनुमान प्राकट्योत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां उन्होंने भगवान हनुमान के दर्शन कर पूजा-अर्चना की ।

इसके बाद मंत्री श्री राजपूत ग्राम सीहोरा पहुंचे, जहां हनुमान प्राकट्योत्सव के उपलक्ष्य में निकाली गई भव्य शोभायात्रा में शामिल हुए। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ भाग लिया और पूरे गांव में भक्ति एवं उत्साह का माहौल देखने को मिला।

इसके पश्चात मंत्री श्री राजपूत श्रीसिद्ध देव सिद्धेश्वर चम्पाबाग लक्ष्मीपुरा वार्ड में श्रीसर्व सिद्धेश्वर समिति द्वारा आयोजित हनुमान प्राकट्योत्सव चल समारोह में शामिल हुए। यहां उन्होंने श्रद्धालुओं के साथ भगवान हनुमान की आराधना की और आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में एकता और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करते हैं।

शाम को मंत्री श्री राजपूत श्री सिद्ध क्षेत्र लखेरा धाम राहतगढ़ पहुंचे, जहां उन्होंने हनुमान जी की महाआरती में भाग लिया। महाआरती के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा।

इस अवसर भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी, विधायक शैलेंद्र जैन सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, भाजपा पदाधिकारी और क्षेत्र के श्रद्धालु उपस्थित रहे।

विकासखंड स्तरीय प्रवेशोत्सव सांदीपनि विद्यालय मनगवां में मनाया गया

साधना एक्सप्रेस मनगवां :

रीवा आज दिनांक 1/4/2026को सांदीपनि विद्यालय मनगवां में सत्र 2026-27 का प्रवेशोत्सव कार्यक्रम मनाया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मनगवां विधानसभा के यशस्वी विधायक श्रीमान इंजीनियर नरेंद्र प्रजापति विशिष्ट अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती बुटला वंशल, श्री जगजीवन लाल तिवारी विधायक प्रतिनिधि,विधायक प्रतिनिधि सांदीपनि विद्यालय श्री डॉ विष्णु देव कुशवाहा, श्रीमती प्रियंका तिवारी विधायक प्रतिनिधि, श्री लवकुश गुप्ता, श्री अतीत गौतम , विकास खंड शिक्षा अधिकारी श्री नरेश मिश्र उपस्थित रहे । सर्वप्रथम सरस्वती पूजन , फिर उपस्थित अतिथियों का स्वागत के पश्चात नवीन प्रवेशी छात्रों को पुस्तक वितरण एवं उनका रोली अक्षत से सम्मान एवं स्वागत किया गया कन्या शाला के छात्राओं को साइकिल वितरण प्रतीकात्मक रूप से तीन छात्राओं को वितरण का शुभारंभ किया गया सांदीपनि विद्यालय के छात्रों द्वारा विगत सत्र में ऐसे छात्र जो 85 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति सुनिश्चित किए एवं उनके पालकों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि श्री विधायक जी ने अपने उदबोधन में छात्रों को नए संकल्प ऊर्जा के साथ पढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। साथ बि ई ओ श्री नरेश मिश्र ने छात्रों पढ़ने में रुचि जागृत करने के लिए प्रेरित किया। सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य श्री के सी अवधिया द्वारा उपस्थित पालकों एवं छात्रों को नए सत्र में मन लगाकर अध्ययन एवं अनुशासन के साथ पढ़ाई पर ध्यानाकर्षित कराया। अंत में उपस्थित अतिथियों का आभार श्री प्रदीप सिंह परिहार ने किया। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री मनोज त्रिपाठी ने किया। विद्यालय के शिक्षक श्री आशुतोष शुक्ला, श्रीमती नीतू सिंह, श्रीमती आंचल शुक्ला, श्रीमती प्रियंका माहेश्वरी, सुश्री सौम्या मिश्रा, श्री सुजीत पांडे , प्रमोद मिश्रा, आशीष तिवारी, श्याम लाल कुशवाहा, आदर्श पटेल, रवनीत पटेल आदि सभी शिक्षकों का कार्यक्रम के सफल संपादन में सराहनीय योगदान रहा।

अंतरमहाविद्यालयीन पश्चिम क्षेत्र खो-खो(महिला) प्रतियोगिता 2025-26 का पेंटियम प्वाइंट ग्रुप आफ़ इंस्टिट्यूशंस रीवा में भव्य शुभारंभ

» महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान,गुजरात,मध्यप्रदेश सहित विभिन्न राज्यों की 65 टीमें लड़ेंगी खिताबी मुक़ाबला।

» रीवा। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अंतरमहाविद्यालयीन पश्चिम क्षेत्र खो-खो(महिला) प्रतियोगिता 2025-26 का आयोजन

साधना एक्सप्रेस रीवा।

विभिन्न राज्यों की 65 टीमों के बीच अंतर विश्वविद्यालयीय महिला खेल महोत्सव 2025-26 का शुभारंभ आज पाटन परिसर में हो गया। यह प्रतियोगिता आगामी 5 तारीख़ तक चलेगी, जिसमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों की टीमें अलग-अलग खेलों में अपना दमखम दिखाएंगी।

प्रतियोगिता में महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों की कुल 65 टीमें भाग ले रही हैं। आयोजन के अंतर्गत विभिन्न खेल विधाओं में मुकाबले नॉकआउट प्रणाली के आधार पर खेले जाएंगे, जिसमें विजेता टीमें ही अगले चरण में प्रवेश करेंगी।

यह आयोजन पेंटीअम प्वाइंट ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस तथा शारीरिक शिक्षा विभाग, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत किया गया, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीम को पीजीआई की ओर से 3000 का नगद पुरस्कार प्रदान किया गया। उद्घाटन दिवस पर कुल 19 मुकाबले खेले गए।

आयोजन का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन व हनुमान जयंती पर बजरंगबली के पूजन से शुरू हुआ तथा अगली कड़ी मेसमारोह में उपस्थित विशिष्ट अतिथियों को शाल व श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया ।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में प्रतियोगिता में सम्मिलित टीमों के मार्चपास्ट की रही

वही कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से किया गया जिसमेंमार्च पास्ट से शुरू हुआ जिसमें पेंटियम प्वाइंट ग्रुप आफ़ इंस्टिट्यूशन की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत, समूह नृत्य ने सभी को मंत्रमुग्ध किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय प्रो. राजेंद्र कुड़रिया उपस्थित रहे। वहीं पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता के.पी. त्रिपाठी, पीजीआई रीवा के मुख्य प्रबंध संचालक बी.एन. त्रिपाठी, भाजपा ज़िलाध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता,नगर निगम अध्यक्ष वेंकटेश पांडेय,शारीरिक शिक्षा विभाग के संचालक रामभूषण मिश्रा, नगर निगम आयुक्त सौरभ सोनवाड़े, एसडीएम डॉ. प्रभाकर चतुर्वेदी, भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी रीवा के अध्यक्ष नीरज नामदेव, कुलसचिव एपीएसयू सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।इसके साथ ही शारिरिक शिक्षा विभाग अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा तथा पेंटियम प्वाइंट ग्रुप आफ़ इंस्टिट्यूशन के समस्त कालेजों के प्राचार्य,विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापक गणों सहित संस्था का समस्त स्टाफ़ उपस्थित रहा

इस अवसर पर कुलपति प्रो. राजेन्द्र कुड़रिया जी ने प्रतिभागियों का अपने वक्तव्य के माध्यम से उत्साहवर्धन किया, साथ ही पधारे अतिथियों द्वारा अपने अभिभाषण के माध्यम से प्रतिभागियों को आशिर्वचन प्रदान किया गया।

इस अवसर पर मुख्य प्रबंध संचालक बी.एन. त्रिपाठी ने इसे बेटियों के लिए एक सराहनीय पहल बताते हुए कहा कि आज की बेटियां न केवल अपने पारंपरिक दायित्वों का निर्वहन कर रही हैं, बल्कि खेलकूद जैसे क्षेत्रों में भी अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि खो-खो जैसे तेज गति वाले खेल में शारीरिक एवं मानसिक संतुलन की आवश्यकता होती है, जिसमें बेटियों ने यह साबित कर दिया है कि वे किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं।इसके साथ ही उन्होंने प्रतिभागियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएँ प्रेषित की।

कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मिनाक्षी पांडेय द्वारा डीके ऑफसेट प्रिंटर्स 50/6 शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से मुद्रित एवं 111/44, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से प्रकाशित ।
संपादक मिनाक्षी पांडेय एवं स्थानीय संपादक मनीष पांडेय मो.न- 7566293490, प्रबंध संपादक आशीष नेमा मेल sadhnaexpress@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल म.प्र रहेगा ।)| RNI NO. MPHIN/2022/84698